राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 22 दिसंबर 2025 वर्ष-8,अंक-295 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रेल किराया बढ़ा, हर किमी पर 1-2 पैसे ज्यादा लगेंगे

भोपाल से दिल्ली जाने के लिए 16 रुपए एक्स्ट्रा देने होंगे, 26 दिसंबर से लागू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने लंबी दूरी की यात्रा के लिए किराए में बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह नया किराया 26 दिसंबर 2025 से लागू होगा। 215 किलोमीटर से ज्यादा का सफर करने वाले यात्रियों को अब हर किलोमीटर के लिए 1 से 2 पैसे अतिरिक्त चुकाने होंगे। रेलवे का अनुमान है कि इस बदलाव से उसे सालाना 600 करोड़ रुपए की अतिरिक्त कमाई होगी। हालांकि, 215 किलोमीटर से कम दूरी की यात्रा करने वालों और मंथली सीजन टिकट होल्डर्स के किराए में कोई बदलाव नहीं किया गया है। छोटे रूट और सीजन टिकट वालों को राहत रेलवे ने छोटे रूट पर यात्रा करने वाले करोड़ों यात्रियों को राहत दी है। 215 किलोमीटर से कम के सफर पर किराए में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। इसका

मतलब है कि कम दूरी की यात्राएं पहले की तरह ही सस्ती बनी रहेंगी। इसके अलावा, रोजाना सफर करने वाले यात्रियों के लिए भी राहत की खबर है। रेलवे ने सब-अर्बन (उपनगरीय) ट्रेनों और मंथली सीजन टिकट (एमएसटी) की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इससे मुंबई, दिल्ली, कोलकाता और चेन्नई जैसे शहरों में लोकल ट्रेनों से सफर करने वाले लाखों यात्रियों पर कोई बोझ नहीं पड़ेगा। रेलवे को क्यों पड़ी किराया बढ़ाने की जरूरत। रेलवे मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, यह किराया बढ़ोतरी ऑपरेशनल कॉस्ट (परिचालन लागत) में हो रही वृद्धि और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स को फंड करने के लिए जरूरी है। रेलवे लगातार अपनी सेवाओं को बेहतर बनाने, नई ट्रेनें चलाने और स्टेशनों के आधुनिकीकरण पर काम कर रहा है। इस किराया बढ़ोतरी से मिली 600 करोड़ रुपए की अतिरिक्त आय का इस्तेमाल इन्हीं कामों में किया जाएगा। यह देश का दूसरा सबसे बड़ा नियोक्ता है और इसके नेटवर्क को मेंटेन करने में भारी खर्च आता है। साल में दूसरी बार बढ़ाया किराया इससे पहले इसी साल 1 जुलाई को सरकार ने रेल किराए में बढ़ोतरी की थी। तब नॉन-एसी मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के किराए में 1 पैसा प्रति किलोमीटर और एसी क्लास के किराए में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी की थी। वहीं इससे पहले 2020 में यात्री किराया बढ़ाया था।

इसरो का ब्लू बर्ड ब्लॉक 24 दिसंबर को होगा लॉन्च

छह अरब मोबाइल यूजर को मिलेगी बेहतर नेटवर्क कनेक्टिविटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के आगामी 'एलवीएम3 एम6 मिशन' के तहत 24 दिसंबर को 'ब्लू बर्ड ब्लॉक-2' उपग्रह को कक्षा में स्थापित किया जाएगा। यह मिशन अमेरिका में स्थित एएसटी स्पेसमोबाइल के साथ हुए वाणिज्यिक समझौते का हिस्सा है। आपको बता दें कि इस ऐतिहासिक मिशन के तहत अगली पीढ़ी के संचार उपग्रह को तैनात किया जाएगा, जिसे दुनिया भर में सीधे स्मार्टफोन तक हाई-स्पीड सेल्युलर ब्रॉडबैंड उपलब्ध कराने के लिए डिजाइन किया गया है। एएसटी स्पेसमोबाइल (एएसटी एंड साइंस,

एलएलसी) पहला और एकमात्र अंतरिक्ष-आधारित सेलुलर ब्रॉडबैंड नेटवर्क विकसित कर रहा है, जो सीधे स्मार्टफोन के माध्यम से सुलभ है और वाणिज्यिक व सरकारी दोनों अनुप्रयोगों के लिए डिजाइन किया गया है। कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर कहा, ''हम आज लगभग छह अरब मोबाइल उपभोक्ताओं को हो रही 'कनेक्टिविटी' की समस्या को दूर करने और उन अरबों लोगों तक ब्रॉडबैंड सुविधा पहुंचाने के मिशन पर हैं जो अब भी इंटरनेट से जुड़े नहीं हैं।'

पहली बार जनता के बीच होगा सेना दिवस समारोह

- परेड के साथ सैन्य शक्ति में भी होगा विशेष खास नजारा
- सीकर रोड पर 'नो योर आर्मी' हथियार प्रदर्शनी भी लगेगी

जयपुर (एजेंसी)। सेना दिवस के मौके पर अब सैन्य छावनियों में बड़े बड़े आयोजन होते थे लेकिन इस बार यह कार्यक्रम जनता के बीच होंगे। राजस्थान में पहली बार जयपुर की धरती पर सैन्य समारोह होंगे। जयपुर के जगतपुरा स्थित महल और बढ जाएगी। ब्रह्मोस मिसाइल जैसे टैंक भी शामिल किए जाएंगे। 15 जनवरी को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में शौर्य संध्या का आयोजन किया जाएगा। इस में सेना के जवानों की ओर से कई तरह के सैन्य इवेंट आयोजित

रोड सेना के जवानों की ओर से परेड का आयोजन किया जाएगा। इस तरह की परेड अमूमन दिल्ली में होती रही है लेकिन पहली बार परेड के लिए जयपुर को चुना गया। 15 जनवरी को सेना दिवस पर जयपुर की धरती पर सैन्य परेड होने के साथ कई अन्य कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा। 15 जनवरी 2026 को परेड के दौरान अद्भुत नजारा देखने को मिलने वाला है। सेना की परेड में भारतीय सेना की अलग अलग रेजिमेंट की टुकड़ियां इसमें हिस्सा लेंगी। करीब तीन किलोमीटर तक इस परेड का आयोजन होने वाला है। सबसे अहम बात यह है कि सेना के कई विमान और हेलीकॉप्टर भी इस मार्च पास्ट में शामिल किए जाएंगे। इससे परेड की भव्यता किए जाएंगे। लाइट और साउंड शो के जरिए यह बताया जाएगा कि ऑपरेशन सिंदूर के समय सेना ने किस तरह युद्ध लड़ा और दुश्मन को परास्त किया। सेना के जवान मार्शल आर्ट का प्रदर्शन भी करेंगे। ड्रोन के जरिए भी सेना के इवेंट की कई कलाओं का प्रदर्शन भी किया जाएगा। जयपुर के सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन कॉलेज ग्राउंड में सेना की ओर से हथियारों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। हमारी सेना में पहले कैसे हथियार थे और अब कौन कौन से अत्याधुनिक हथियार शामिल किए गए हैं। इसकी पूरी श्रृंखला इस प्रदर्शन में दिखाई जाएगी। प्रदर्शन की नाम नो योर आर्मी रखा गया है। यह प्रदर्शन 8 से 12 जनवरी तक लगी रहेगी।

मैं तो चायवाला हूं, मैं नहीं करूंगा तो कौन करेगा

पीएम मोदी का असम में कांग्रेस पर सीधा हमला, देश विरोधी सोच आगे बढ़ाने का लगाया आरोप

गुवाहाटी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के दौरे में कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने अपने आप को फिर एक बार चायवाला बताया। पीएम मोदी ने कहा कांग्रेस पर देश विरोधी सोच को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि आप को याद को होगा कि जब हमारी सरकार ने भूपेन दा को भारत रत्न दिया था। तो कांग्रेस ने खुलकर विरोध किया था।

पीएम मोदी ने कांग्रेस को

सीधे निशाने पर लेते हुए कहा कि तब उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा था कि मोदी नाचने-गाने वालों को भारत रत्न दे रहा है। पीएम मोदी ने कहा मुझे बताइए कि यह भूपेद दा का अपमान है कि नहीं। यह कल संस्कृति का अपमान है कि नहीं।

कांग्रेस ने पैदा की समस्याएं, हमारी सरकार कर रही हल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी शैली में कांग्रेस को जमकर घेरा। पीएम मोदी ने कहा कि आज हमारी डबल इंजन की सरकार कांग्रेस द्वारा पैदा की गई समस्याओं का समाधान भी कर रही है। असम की तरह देश के दूसरे राज्यों में भी खाद की कितनी ही फैक्ट्रियां बंद हो गई थीं।

विकसित भारत में असम की है बड़ी भूमिका

पीएम मोदी ने कहा कि आप सभी को और देश के सभी किसान भाई-बहनों को इस आधुनिक फर्टिलाइजर प्लांट के लिए बहुत बहुत शुभकामनाएं देता हूं। बीजेपी की डबल इंजर सरकार में उद्योग और कनेक्टिविटी की ये जुगलबंदी असम के सपनों को पूरा कर रही है और साथ ही हमारे युवाओं को नए सपने देखने का हौंसला भी दे रही है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में देश के किसानों की, यहां के अन्नदाताओं की बहुत बड़ी भूमिका है। इसलिए हमारी सरकार किसानों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए दिन-रात काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को असम के डिब्रूगढ़ जिले में 10,601 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 'ब्राउनफील्ड अमोनिया-यूरिया संयंत्र' की नींव रखी।

नए साल में बड़े बदलाव की तैयारी में बीजेपी

कैबिनेट विस्तार की भी सुगबुगाहट, नए लोगों को मिलेगा मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपना नया कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के रूप में चुन लिया। इनके हाथों में ही आने वाले समय में भाजपा की कमान जाने वाली है। इसके बाद अब संगठन में फेरबदल के कयास तेज हो गए हैं। खबर है कि भाजपा में संगठन

चुनावों की प्रक्रिया अगले माह पूरी होने के साथ ही बड़े बदलावों की शुरुआत हो जाएगी। ये बदलाव केवल संगठन तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि सरकार में भी दिखाई देंगे। जल्द ही केंद्रीय कैबिनेट में विस्तार भी देखने को मिल सकता है। संगठन विस्तार की प्रक्रिया सभी स्तरों पर लागू होने में लगभग छह माह का समय लग सकता है। संगठन में युवा और अनुभव का अनुपात लगभग आधा-आधा रहेगा और सरकार में भी करीब छह माह के भीतर इसी तरह का संतुलन देखने को मिलेगा।

भीषण ठंड से कांप रहे सेन्ट्रल और नार्थ भारत

एमपी में इस सर्दी में पहली बार पारा 3 डिग्री से नीचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मध्य और उत्तरी हिस्सों में कड़ाके की सर्दी और घने कोहरे का दौर जारी है। मौसम विभाग ने रविवार को मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत देश के 18 राज्यों

- यूपी में कोल्ड-डे, कई शहरों में तापमान 7 डिग्री से कम

में घने कोहरे के अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश में सर्दी अपने चरम पर है। इस सर्दी सीजन पहली बार शनिवार को तापमान 3 डिग्री से नीचे पहुंच गया। मप्र.शहडोल के कल्याणपुर में 2.8 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। राजधानी भोपाल में

न्यूनतम तापमान 6.2 डिग्री दर्ज हुआ। भोपाल में लगातार एक हफ्ते से तापमान 7 डिग्री से कम है। यूपी और बिहार में कोल्ड-डे के हालात है। सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी है। दिन और रात के समय एक जैसी सर्दी पड़ रही है। ज्यादातर शहरों में धूप के दर्शन ही नहीं हो रहे हैं। ओस की बूंदें रिमझिम बारिश की तरह पड़ रही हैं। सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। यूपी में शिमला और नैनीताल से ज्यादा सर्दी है। रविवार सुबह बरेली, कानपुर समेत कई शहरों का तापमान 7 डिग्री या उससे कम रिकॉर्ड किया गया। कानपुर में सबसे कम, 6.4 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। शिमला में शनिवार को तापमान 11 डिग्री और नैनीताल में 10 डिग्री रहा। कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में रविवार को बर्फबारी हुई। गुलमर्ग में करीब दो इंच बर्फ जमी है। सोनमर्ग में सुबह से बर्फबारी जारी है। कश्मीर में 40 दिनों के भीषण सर्दी का दौर, चिल्लई-कलां आज से शुरू हो गया है। चिल्लई-कलां हर साल 21 दिसंबर से 31 जनवरी तक रहता है।

जनवरी भर ठिठुराएगा पोलर सिस्टम

शनिवार को देश की करीब 90 करोड़ आबादी को शीतलहर का असर महसूस हुआ। पंजाब में पाकिस्तान सीमा से लेकर असम में बांग्लादेश सीमा तक करीब दो हजार किलोमीटर लंबे इलाके की लगभग 500 किमी चौड़ी पट्टी में शनिवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग के अनुसार ऐसी स्थिति जनवरी 2026 के अंत तक बार-बार बनेंगी। नवंबर में ला-नीना की स्थिति बन चुकी है, जो सर्दी बढ़ाती है। मौसम एजेंसियों के अनुसार, उत्तरी ध्रुव के ऊपर बनने वाले ध्रुवीय ठंडी हवाओं के घेरे (पोलर वोर्टेक्स) में दरार पड़ रही है। इससे उत्तरी गोलार्ध के बड़े हिस्से में बेहद ठंडी हवाएं फैलेंगी।

बिहार में उपेन्द्र कुशवाहा की राह हुई मुश्किल!

राज्यसभा चुनाव: एनडीए के गुणा-भाग में फिट नहीं बैठ पा रहे उपेन्द्र

पटना (एजेंसी)। बिहार की सियासत में राज्यसभा चुनाव की बिसात अभी से बिछनी शुरू हो गई है। हालांकि चुनाव में अभी तीन महीने का समय शेष है, लेकिन 5 सीटों के लिए होने वाले इस संग्राम ने राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या बीजेपी अपने नए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन और भोजपुरी स्टार पवन सिंह को उच्च सदन भेजेगी। वहीं, चर्चा यह भी है कि उपेंद्र कुशवाहा को इस बार खाली हाथ रहना पड़ सकता है। 9 अप्रैल 2026 को बिहार से राज्यसभा के जिन 5 दिग्गजों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है, उनमें राजद के प्रेम चंद गुप्ता और अमरेंद्र धारी सिंह (एडी सिंह), जदयू के हरिवंश नारायण सिंह और केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा शामिल हैं। इनकी सीटों पर चुनाव होगा। इस बार राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए कम से कम 41 विधायकों के समर्थन की जरूरत होगी।

बीजेपी-जेडीयू के लिए राह आसान, आरजेडी को झटका

बिहार विधानसभा में संख्याबल को देखें तो बीजेपी और जदयू अपनी-अपनी सीटें बचा लेगी। जदयू के पास 85 विधायक हैं, जिससे वह अपनी दोनों सीटें सुरक्षित रख सकती है। वहीं बीजेपी के पास 89 विधायक हैं और इस ताकत के दम पर वह दो सीटों पर अपने प्रत्याशी जिताने की स्थिति में है। बात करें विपक्षी दल राजद की तो राजद के पास पर्याप्त संख्या बल नहीं होने के कारण अपनी दोनों सीटें बचा पाना नामुमकिन दिख रहा है। हालांकि एक सीट पर राजद अपने उम्मीदवार को जिता सकती है, बशर्ते महागठबंधन की अन्य पार्टियां राजद का समर्थन करें।

किसानों को सीएम योगी ने दी खुशखबरी

अब सिर्फ छह प्रतिशत ब्याज दर पर मिल जाएगा लोन

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी ने प्रदेश के किसानों को बड़ी सौगात दी है। उन्होंने रविवार को किसानों के लिए 6 फीसदी ब्याज दर पर लोन उपलब्ध कराने का ऐलान किया। फिलहाल किसानों को यूपी सहकारी ग्राम विकास बैंक से 11.50 फीसदी ब्याज दर पर लोन मिलता है। योगी के ऐलान के बाद किसानों को सस्ते दर पर लोन मिलेगा, बचा हुआ हिस्सा सरकार चुकाएगी। योगी ने कहा- यूपी सहकारी ग्राम विकास बैंक का रेट ऑफ इंटरेस्ट 11.50 है। इससे किसानों पर बोझ बढ़ता है।

मोहन भागवत बोले-भारत को विश्व गुरु बनाना मुख्य उद्देश्य

आरएसएस को राजनीति या भाजपा के नजरिए से न देखें

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि संघ को समझने के लिए तुलना करना या किसी राजनीतिक नजरिए से देखना भ्रमित कर सकता है। कोलकाता में आयोजित आरएसएस की 100 व्याख्यान माला कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि संघ न तो केवल एक साधारण सेवा संगठन है और न ही इसे सिर्फ बीजेपी के दृष्टिकोण से समझा जाना चाहिए।

भागवत ने संघ के मूल उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा, संघ की स्थापना का सार एक ही वाक्य में समझा जा सकता है, भारत माता की जय। यहां भारत केवल एक देश नहीं है, बल्कि यह एक विशेष स्वभाव और परंपरा का प्रतीक है। हमारा उद्देश्य इस परंपरा को बनाए रखते हुए भारत को पुनः विश्व गुरु बनाने के लिए समाज को तैयार करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि संघ का जन्म किसी राजनीतिक उद्देश्य, प्रतिद्वंद्विता या विरोध से नहीं हुआ। उन्होंने कहा, संघ हिंदू समाज के संगठन, उन्नति और संरक्षण के लिए समर्पित है।

इतिहास के संदर्भ में संघ को समझाने का प्रयास

इतिहास का उदाहरण देते हुए भागवत ने कहा कि सुभाष चंद्र बोस के निधन के बाद अंग्रेजों के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष समाप्त हो गया लेकिन समाज सुधार की प्रक्रिया, जो राजा राम मोहन राय के समय से चल रही थी, वह निरंतर चलती रही। उन्होंने इसे समुद्र के बीच एक द्वीप की तरह बताया, जो लगातार अपने उद्देश्य की दिशा में आगे बढ़ता रहा। भागवत ने अपने भाषण में संघ के महत्व के साथ-साथ राष्ट्र की शक्ति और वैश्विक भूमिका पर भी जोर दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पर्यावरण संकट : नीतियों से नहीं, नागरिक चेतना से बचेगी प्रकृति

(लेखिका- डॉ. प्रियंका सौरभ)

> आज पेड़ लगाना कोई महान कार्य नहीं रहा, बल्कि एक न्यूनतम नैतिक दायित्व बन चुका है। इसके बावजूद हम इसे टालते हैं। जगह, समय, पानी और देखभाल—हर चीज़ का बहाना हमारे पास है। सच्चाई यह है कि हमने सुविधा को प्राथमिकता और ज़िम्मेदारी को बोझ मान लिया है।

सरकारों की विफलता के साथ-साथ हमारी जीवन-शैली भी पर्यावरण विनाश की सबसे बड़ी ज़िम्मेदार है। पेड़ लगाने की बात आए तो उत्साह केवल सरकारी अभियानों और फोटो अवसरों तक सीमित रह जाता है। वृक्षारोपण दिवस पर पौधे लगाए जाते हैं और अगले दिन भुला दिए जाते हैं। संरक्षण की जिम्मेदारी कोई नहीं लेता। यही कारण है कि आँकड़ों में लाखों पौधे लगते हैं, पर धरातल पर जंगल घटते जाते हैं। एक पुरानी कहावत है—मनुष्य जीवन भर नौ मन लकड़ी लेकर जाता है, तो कम से कम अपने पीछे नौ मन पेड़ छोड़ जाना चाहिए। यह कहावत आज के समय में कहीं अधिक प्रासंगिक है। हम अपने जीवन में जितने संसाधन उपभोग करते हैं, क्या उनके बराबर कुछ लौटाने का प्रयास करते हैं?

पर्यावरण संरक्षण की बहस अक्सर एक सुविधाजनक दिशा में मोड़ दी जाती है—सरकारें नीतियाँ नहीं बनातीं, मंत्रालय निष्क्रिय हैं, क़ानून कागज़ों तक सीमित हैं। यह आलोचना पूरी तरह ग़लत नहीं है। केंद्रीय और राज्य स्तर पर पर्यावरण मंत्रालयों का रिकॉर्ड देखें तो विकास परियोजनाओं के सामने प्रकृति अक्सर सबसे पहले बलि चढ़ती दिखती है। जंगलों की कटाई, नदियों का प्रदूषण, ज़हरीली हवा और भूजल का संकट—इन सबके लिए नीतिगत विफलता ज़िम्मेदार है। पर यह अधूरा सच है। पूरा सच यह है कि पर्यावरण संकट की जड़ें हमारी अपनी जीवन-शैली में गहरी धँसी हुई हैं।

हमने पर्यावरण को सरकार का विषय मान लिया है, जैसे वह नागरिक जीवन से अलग कोई विभागीय फाइल हो। यह मानसिकता ही सबसे बड़ा संकट है। हवा, पानी, मिट्टी और जंगल किसी मंत्रालय की संपत्ति नहीं, बल्कि सामूहिक उत्तरदायित्व हैं। जब नागरिक स्वयं को इस उत्तरदायित्व से अलग कर लेता है, तब कोई भी नीति प्रभावी नहीं रह जाती।

आज प्रदूषण का बड़ा हिस्सा किसी कारख़ाने से नहीं, बल्कि रोज़मर्रा के घरेलू व्यवहार से पैदा हो रहा है—अत्यधिक निजी वाहन, बेहिसाब प्लास्टिक, अनियंत्रित कचरा, पानी और बिजली की फिजूलखर्ची। हम सुविधाओं को अधिकार मानते हैं और उनके दुष्परिणामों को व्यवस्था की समस्या। यही सोच पर्यावरण को धीरे-धीरे बर्बादी की ओर धकेल रही है।

भारत जैसे विकासशील देश में पर्यावरण संरक्षण को अक्सर विकास विरोधी बताकर खारिज कर दिया जाता है। यह एक कृत्रिम और भ्रामक बहस है। सच्चाई यह है कि प्रकृति का विनाश स्वयं विकास के ख़िलाफ़ है। बाढ़, सूखा, गर्मी की चरम लहरें, जल संकट और बीमारियाँ—ये सब उसी 'विकास' की देन हैं, जो प्रकृति के संतुलन को नज़रअंदाज़ करता है।

लेकिन इस बहस में भी नागरिक की भूमिका गौण बना दी जाती है। हम यह नहीं पूछते कि हमारे विकास के मॉडल में हमारी व्यक्तिगत आदतें कितनी ज़िम्मेदार हैं। क्या हर छोटी दूरी के लिए कार निकालना ज़रूरी है? क्या हर शादी, समारोह और त्योहार में अनावश्यक दिखावा आवश्यक है? क्या एकल-उपयोग प्लास्टिक के बिना जीवन असंभव है? इन सवालों से हम बचते हैं, क्योंकि इनके जवाब हमें असहज करते हैं।

पर्यावरण संरक्षण केवल क़ानूनों और नियमों से संभव नहीं। यह नागरिक चरित्र और सामाजिक संस्कार का प्रश्न है। जिन देशों में पर्यावरणीय अनुशासन दिखाई देता है, वहाँ केवल सख़्त क़ानून नहीं, बल्कि नागरिकों की आदतें भी अनुशासित हैं। भारत में समस्या यह है कि हम अधिकारों को लेकर अत्यंत सजग हैं, पर कर्तव्यों को लेकर लगभग उदासीन।

हम अपने घर के बाहर गंदगी फैलाने में संकोच नहीं करते, पर स्वच्छता की अपेक्षा सरकार से करते हैं। हम नदियों को पूजा के नाम पर प्रदूषित करते हैं, फिर उनकी सफ़ाई के लिए आंदोलन करते हैं। यह विरोधाभास हमारी सामाजिक मानसिकता को उजागर करता है।

पेड़ लगाने की बात आए तो उत्साह केवल सरकारी अभियानों और फोटो अवसरों तक सीमित रह जाता है। वृक्षारोपण दिवस पर पौधे लगाए जाते हैं और अगले दिन भुला दिए जाते हैं। संरक्षण की जिम्मेदारी कोई नहीं लेता। यही कारण है कि आँकड़ों में लाखों पौधे लगते हैं, पर धरातल पर जंगल घटते जाते हैं।

एक पुरानी कहावत है—मनुष्य जीवन भर नौ मन लकड़ी लेकर जाता है, तो कम से कम अपने पीछे नौ मन पेड़ छोड़ जाना चाहिए। यह कहावत आज के समय में कहीं अधिक प्रासंगिक है। हम अपने जीवन में जितने संसाधन उपभोग करते हैं, क्या उनके बराबर कुछ लौटाने का प्रयास करते हैं?

आज पेड़ लगाना कोई महान कार्य नहीं रहा, बल्कि एक न्यूनतम नैतिक दायित्व बन चुका है। इसके बावजूद हम इसे टालते हैं। जगह, समय, पानी और देखभाल—हर चीज़ का बहाना हमारे पास है। सच्चाई यह है कि हमने सुविधा को प्राथमिकता और ज़िम्मेदारी को बोझ मान लिया है।

पेड़ न लगाना केवल पर्यावरणीय लापरवाही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के जीवन के साथ अन्याय है। यह एक ऐसा अपराध है, जिसकी सज़ा हमारे बच्चे चुकाएँगे—गंदी हवा, जहरीला पानी और असुरक्षित भविष्य के रूप में।

यह कहना भी सही नहीं होगा कि सरकारों की कोई भूमिका नहीं है। पर्यावरणीय क़ानूनों का सख़्ती से पालन, परियोजनाओं का ईमानदार पर्यावरणीय आकलन, प्रदूषकों पर कठोर दंड और स्थानीय निकायों को सशक्त करना—ये सब अनिवार्य हैं। पर इतिहास गवाह है कि जब समाज निष्क्रिय हो, तब सबसे अच्छे क़ानून भी निष्प्रभावी हो जाते हैं।

स्वच्छ भारत अभियान इसका उदाहरण है। जहाँ नागरिकों ने भागीदारी दिखाई, वहाँ परिणाम दिखे। जहाँ इसे केवल सरकारी योजना समझा गया, वहाँ स्थिति जस की तस रही। पर्यावरण संरक्षण भी इसी सिद्धांत पर काम करेगा।

पर्यावरण संकट का समाधान किसी एक बड़े निर्णय में नहीं, बल्कि लाखों छोटे नागरिक निर्णयों में छिपा है। घर-घर कचरा पृथक्करण, वर्षा जल संचयन, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, ऊर्जा-सक्षम उपकरण, स्थानीय स्तर पर वृक्षारोपण—ये सभी कदम साधारण हैं, पर प्रभावशाली हैं।

स्कूलों और विश्वविद्यालयों में पर्यावरण शिक्षा को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर व्यवहार में उतारना होगा। बच्चों को प्रकृति से जोड़ना होगा, ताकि वे केवल जानकारी नहीं, संवेदना भी विकसित करें। मीडिया और सामाजिक संगठनों की भूमिका भी महत्त्वपूर्ण है। पर्यावरण को केवल आपदा या दिवस के रूप में नहीं, बल्कि रोज़मर्रा की चिंता के रूप में प्रस्तुत करना होगा।

अंततः पर्यावरण संकट का सबसे ईमानदार उत्तर हमें स्वयं से पूछना होगा—हम प्रकृति को क्या दे रहे हैं? जब तक यह प्रश्न हर नागरिक के मन में नहीं उठेगा, तब तक नीतियाँ आती-जाती रहेंगी और प्रकृति चुपचाप नष्ट होती रहेगी।

प्रकृति किसी मंत्रालय की जिम्मेदारी नहीं, यह हमारे सामूहिक चरित्र की परीक्षा है। और इस परीक्षा में अब तक हम असफल ही रहे हैं। अब भी समय है—यदि हम सच में विकास चाहते हैं, तो उसे प्रकृति के साथ सामंजस्य में गढ़ना होगा, वरना आने वाली पीढ़ियाँ हमें कभी माफ़ नहीं करेंगी।

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

एक्सप्रेस-वे पर सुरक्षित सफर सुनिश्चित हो

उस घटना की कल्पना करके भी रूह कांप जाती है, जिसमें मथुरा के निकट, मंगलवार तड़के घने कोहरे के चलते कई वाहनों के आपस में टकराने से तेरह लोग जिंदा जल गए। घने अंधेरे में बड़ी संख्या में लोग आग में झुलसे और घायल हुए। मरने वाले निर्दोष लोग अपने-अपने जरूरी कामों के लिए जल्दी पहुंचने की चाहत में रात के सफर पर निकले थे। लेकिन हालात उन्हें मौत के मुंह में ले गये। मंगलवार को अमंगल का यह सिलसिला पंजाब तक चला, जहां सुबह घने कोहरे के चलते पांच लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई। बरनाला व तपामंडी में हुए दो सड़क हादसों में एक ही परिवार के तीन लोगों समेत पांच लोगों की मौत हुई। वजह वही, घने कोहरे के चलते दृश्यता में कमी और स्थिति का आकलन न कर पाने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो जाना। वहीं तपामंडी के व्यापारी की पत्नी व बेटी की मौत रास्ते में खड़े ट्रक से उनकी कार के टकराने से हुई। इससे पहले रविवार सुबह कोहरे के कोहराम से 66 वाहनों के टकराने से एक छात्रा समेत चार लोगों की मौत हरियाणा में भी हुई। चरखी दादरी में एक स्कूल बस व रोडवेज की बस की आमने-सामने की टक्कर में एक ग्यारहवीं की छात्रा की मौत हो गई और तीस से अधिक छात्राएं व शिक्षक, बस चालक समेत घायल हो गए। वहीं तेज रफ्तार वाले नेशनल हाईवे 152-डी पर एक के बाद एक, अनेक वाहन दृश्यता की कमी के चलते दुर्घटनाग्रस्त हो गए, जिसमें तीन युवकों की मौत हो गई और 24 से अधिक लोग घायल हो गए। निश्चय ही निर्दोष लोगों का यूं असमय काल-कवलित होना बेहद दुखद ही है। आखिर हर साल जाड़े के दिनों में धुंध या कोहरे की वजह से होने वाले हादसों के लिए हम क्यों अभिशप्त हैं? आखिर इन दुर्घटनाओं को टालने की गंभीर कोशिश सरकार, समाज व वाहन चालकों की तरफ से क्यों नहीं की जाती? विडंबना है कि जब हमने चांद व मंगल ग्रह तक दस्तक दे दी है, तो राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे पर यात्रियों के जानमाल की रक्षा के लिए धुंध से मुक्ति की तकनीक क्यों नहीं लगा पा रहे हैं? निश्चय ही प्रकृति की लीला का मुकाबला कर पाना संभव नहीं, लेकिन कमोबेश दुर्घटनाओं की संख्या कम करके जान-माल का नुकसान कम करने का प्रयास तो करें। यह सजगता नागरिकों के स्तर पर भी जरूरी है। यात्रा के समय के चयन और धुंध के बीच वाहन चालन में अतिरिक्त सतर्कता की जरूरत होती है। राष्ट्रीय राजमार्ग व एक्सप्रेस-वे पर पर्याप्त रोशनी और धुंध में दृश्यता बढ़ाने के तकनीकी प्रयास किए जाएं। मौसमी बाधा के बीच दुर्घटना का एक बड़ा कारण राजमार्गों के किनारे अवैध रूप से जगह-जगह खोले गए ढाबे भी बनते हैं। दरअसल, होटल-ढाबों के पास वाहनों को अपने परिसर में खड़ा करने की जगह नहीं होती, जिसके चलते ट्रक व अन्य वाहन सड़कों में खड़े रहते हैं। जिसके चलते अक्सर तेजी से आने वाले वाहन दृश्यता की कमी से इन खड़े वाहनों से टकराकर दुर्घटना ग्रस्त हो जाते हैं। पिछले माह राजस्थान के फलोदी के निकट एक टेम्पो ट्रेवलर के सड़क के किनारे खड़े ट्रेलर से टकराने से दस महिलाओं व चार बच्चों समेत पंद्रह लोगों की मौत हुई थी। इस घटना पर स्वतः संज्ञान सुप्रीम कोर्ट ने लिया। सोमवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण व प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सख्त

कागज के खाली पन्नों से विश्व मंच तक- रामानुजन की अद्भुत कहानी

(लेखक - योगेश कुमार गोयल)

गणित को अनुभूति बनाने वाला अमर साधक श्रीनिवास रामानुजन

(राष्ट्रीय गणित दिवस (22 दिसम्बर) पर विशेष)

भारत में प्रतिवर्ष 22 दिसम्बर को 'राष्ट्रीय गणित दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस भारतीय गणित की गौरवशाली परंपरा और विश्वविख्यात गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के अतुलनीय योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से उनके जन्मदिवस पर मनाया जाता है। यह केवल एक स्मृति-दिवस नहीं बल्कि गणित जैसे बौद्धिक अनुशासन के प्रति समाज में सम्मान, जिज्ञासा और वैज्ञानिक दृष्टि को सुदृढ़ करने का राष्ट्रीय प्रयास है। राष्ट्रीय गणित दिवस की औपचारिक घोषणा वर्ष 2012 में रामानुजन की 125वीं जयंती के अवसर पर की गई थी। चेन्नई में आयोजित इस ऐतिहासिक समारोह में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने रामानुजन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा था कि ऐसे विलक्षण प्रतिभावान और गूढ़ ज्ञान से युक्त व्यक्तित्वों का जन्म समाज में बहुत कम होता है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि रामानुजन की प्रतिभा न केवल गणित के क्षेत्र में बल्कि मानव बौद्धिक क्षमता की सीमाओं को समझने में भी एक प्रेरक उदाहरण है। उसी अवसर पर यह निर्णय लिया गया कि रामानुजन के जन्मदिवस को प्रतिवर्ष 'राष्ट्रीय गणित दिवस' के रूप में मनाया जाएगा ताकि देश की युवा पीढ़ी गणित से भय के बजाय आकर्षण और नवाचार का संबंध विकसित कर सके। इस दिवस का उद्देश्य गणितीय सोच को बढ़ावा देना, अनुसंधान को प्रोत्साहित करना और यह संदेश देना है कि गणित केवल अंकों का खेल नहीं बल्कि विज्ञान, तकनीक और राष्ट्र-निर्माण की आधारशिला है।

मद्रास से करीब चार सौ किलोमीटर दूर तमिलनाडु के ईरोड शहर में 22 दिसम्बर 1887 को जन्मे श्रीनिवास अयंगर रामानुजन का बचपन कठिनाइयों और निर्धनता के दौर में बीता था। तीन वर्ष की आयु तक वह बोलना भी नहीं सीख पाए थे और तब परिवार के लोगों को चिंता होने लगी थी कि कहीं वह गूंगे न हों लेकिन कौन जानता था कि यही बालक गणित के क्षेत्र में इतना महान् कार्य करेगा कि सदियों तक दुनिया उन्हें आदर-सम्मान के साथ याद रखेगी। उन्हें गणित में इतनी दिलचस्पी थी कि गणित में उन्हें प्रायः सौ फीसदी अंक मिलते थे लेकिन बाकी विषयों में बामुश्किल ही परीक्षा उत्तीर्ण कर पाते थे क्योंकि गणित के अलावा उनका मन दूसरे विषयों में नहीं लगता था। उन्होंने कभी गणित में किसी तरह का प्रशिक्षण नहीं लिया था। गणित में अतुलनीय योगदान के लिए श्रीनिवास रामानुजन को के. रंगनाथ राव पुरस्कार भी दिया गया था। उनका गणित प्रेम इतना बढ़ गया था कि उन्होंने दूसरे विषयों पर ध्यान देना ही छोड़ दिया था। दूसरे विषयों की कक्षाओं में भी वे गणित के ही प्रश्नों को हल किया करते थे। नतीजा यह हुआ कि 11वीं कक्षा की परीक्षा में वे गणित के अलावा दूसरे सभी विषयों में अनुत्तीर्ण हो गए और इस कारण उन्हें मिलने वाली छात्रवृत्ति बंद हो गई। परिवार की आर्थिक हालत पहले ही ठीक नहीं थी, इसलिए परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी करने के लिए उन्होंने गणितज्ञ रामास्वामी अय्यर के सहयोग से मद्रास पोर्ट ट्रस्ट में क्लर्क की नौकरी करनी शुरू की। नौकरी के दौरान भी वे समय मिलते ही खाली पन्नों पर गणित के प्रश्नों को हल करने लग जाया करते थे।

एक दिन एक ब्रिटिश की नजर उनके द्वारा हल किए गए गणित के प्रश्नों पर पड़ी तो वह उनकी प्रतिभा से बहुत प्रभावित हुआ। उसी अंग्रेज के माध्यम से रामानुजन का सम्पर्क जाने-माने ब्रिटिश गणितज्ञ और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जी एच हार्डी से हुआ। हार्डी ने उनकी विलक्षण प्रतिभा को भांपकर उन्हें अपनी प्रतिभा को साकार करने के लिए लंदन बुला लिया और उनके लिए कैम्ब्रिज के ट्रिनिटी कॉलेज में व्यवस्था की, जिसके बाद उनकी ख्याति दुनियाभर में फैल गई। जी. एस. हार्डी ने रामानुजन को यूलर, गोस, आर्किमिडीज, आईजैक न्यूटन जैसे दिग्गजों के समकक्ष श्रेणी में रखा था। 1917 में उन्हें 'लंदन मैथेमेटिकल सोसायटी' का सदस्य चुना गया और अगले ही वर्ष इंग्लैंड की प्रतिष्ठित संस्था 'रॉयल सोसायटी' ने उन्हें अपना फैलो बनाकर सम्मान दिया। रामानुजन ने करीब पांच साल कैम्ब्रिज में बिताए और उस दौरान गणित से संबंधित कई शोधपत्र लिखे। इंग्लैंड में उन पांच वर्षों के दौरान उन्होंने मुख्यतः संख्या सिद्धांत के क्षेत्र में कार्य किया। प्रोफेसर जी एच हार्डी के साथ मिलकर रामानुजन ने कई

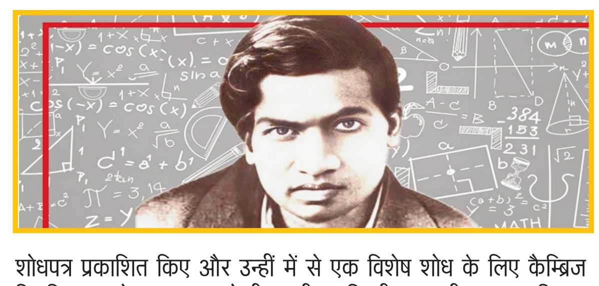

शोधपत्र प्रकाशित किए और उन्हीं में से एक विशेष शोध के लिए कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय ने रामानुजन को बी.ए. की उपाधि भी प्रदान दी। महान् गणितज्ञ रामानुजन की गणना आधुनिक भारत के उन व्यक्तित्वों में की जाती है, जिन्होंने विश्व में नए ज्ञान को पाने और खोजने की पहल की।

भारतीय गणित की महान् परम्परा के वाहक श्रीनिवास रामानुजन को 'गणितज्ञों का गणितज्ञ' और संख्या सिद्धांत पर अद्भुत कार्य के लिए 'संख्याओं का जादूगर' भी कहा जाता है, जिन्होंने खुद से गणित सीखा और जीवनभर में गणित के 3884 प्रमेयों (थ्योरम्स) का संकलन किया, जिनमें से अधिकांश प्रमेय सही सिद्ध किए जा चुके हैं। रामानुजन ने गणितीय विश्लेषण, अनंत श्रृंखला, संख्या सिद्धांत तथा निरंतर भिन्न अंशों के लिए आश्चर्यजनक योगदान दिया और अनेक समीकरण व सूत्र भी पेश किए। वे ऐसे विश्वविख्यात गणितज्ञ थे, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों और विषय गणित की शाखाओं में अविस्मरणीय योगदान दिया और जिनके प्रयासों तथा योगदान ने गणित को एक नया अर्थ दिया। उनके द्वारा की गई खोज 'रामानुजन थीटा' तथा 'रामानुजन प्राइम' ने इस विषय पर आगे के शोध और विकास के लिए दुनियाभर के शोधकर्ताओं को प्रेरित किया। बहरहाल, राष्ट्रीय गणित दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि सीमित संसाधनों और औपचारिक प्रशिक्षण के अभाव में भी भारतीय प्रतिभा विश्व को नई दिशा दे सकती है, जैसा कि रामानुजन ने अपने जीवन और कार्य से सिद्ध किया।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अहं भाव न पालें

एक बार देशभक्त वीर शिवाजी सज्जनगढ़ का किला बनवा रहे थे। हजारों मजदूर वहां काम करते थे। एक दिन शिवाजी किले को देखने गए। यत्र की तरह उनको काम करते देखकर शिवाजी के मन में अहं आ गया। वे सोचने लगे- इन सबकी आजीविका मेरे द्वारा चलती है! इतने में उनके गुरू समर्थ रामदास स्वामी वहां पहुंच गए। विशिष्ट ज्ञान के द्वारा उन्होंने शिवाजी के मन की बात जान ली और निश्चय किया कि इसको प्रतिबोध देना जरूरी हो गया है। वास्तव में गुरू वे ही होते हैं, जो समय पर अनुयायियों को गिरने से बचा लें। स्वामी रामदास ने वहां काम करने वालों को आदेश दिया कि एक बड़ी चट्टान को तोड़ो। उनकी आज्ञा से चट्टान तोड़ी गई। भीतर पानी और मेढक निकले। रामदास ने पूछा - शिवाजी ! इनका लालन-पालन कौन करता है?

शिवाजी - इनका पोषण प्रकृति से होता है, करता कोई नहीं।

रामदासजी- और इन मजदूरों का जीवन किससे चलता है?

शिवाजी ने गुरू के पैर पकड़ लिए और बोले- गुरुदेव! आपने मुझे बचा लिया। आपने मेरे अभिमान को चूर-चूर कर सही रास्ता दिखा दिया। ये सब अपने पुरूषार्थ से जीते हैं। मेरा अहं झूठा था, मैं किसका पालन कर सकता हूं? कहने का अर्थ यह है कि मनुष्य प्रामाणिकता

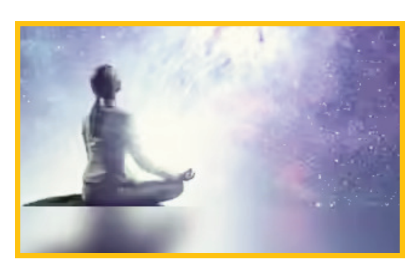

और चरित्र-निष्ठा से काम करे, पर मिथ्या अभिमान न करे। कुछ लोग सोचते हैं-हम ही सब कुछ करने वाले हैं। हम जमीन-आसमान एक कर देंगे। यही अहं भाव व्यक्ति को आगे नहीं बढ़ने देता।

विचार मंथन

भारत में प्रदूषण को लेकर बढ़ती असंवेदनशीलता

(लेखक - सनत जैन)

भारत की राजधानी दिल्ली आज वायु प्रदूषण के कारण कराह रही है। इसी के साथ दिल्ली आज केवल राजनीतिक और प्रशासनिक शक्ति का केंद्र नहीं रही, बल्कि देश में बढ़ते पर्यावरणीय संकट का सबसे बड़ा प्रतीक भी बन चुकी है। दुनिया के तीन सबसे अधिक प्रदूषित महानगरों में दिल्ली का शामिल होना किसी एक वर्ष या एक सरकार की विफलता नहीं, बल्कि वर्षों से चली आ रही सामूहिक लापरवाही और असंवेदनशीलता का परिणाम है। विडंबना यह है कि दिल्ली में देश की सर्वोच्च संवैधानिक संस्थाएं, न्यायपालिका और नीति-निर्माण के सभी प्रमुख केंद्र मौजूद हैं, फिर भी प्रदूषण की भयावह स्थिति पर प्रभावी और स्थायी समाधान आज तक नहीं निकाला जा सका है। पिछले कई वर्षों से दिल्ली का प्रदूषण राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का विषय बना रहा है। जब दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार थी, तब तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बढ़ते प्रदूषण के लिए हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और राजस्थान को जिम्मेदार ठहराया। वहीं भारतीय जनता पार्टी ने इसे राजनीति करार देते हुए दिल्ली सरकार को कठघरे में खड़ा किया था। इस दौरान मामले हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचे, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने भी संज्ञान लिया, लेकिन जमीनी स्तर पर ठोस और दीर्घकालिक समाधान नहीं हो सका। यह कहना गलत नहीं होगा कि प्रदूषण जैसी जटिल और बहु-राज्यीय समस्या से निपटने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी केंद्र सरकार की थी। केंद्र को चाहिए था कि वह पड़ोसी राज्यों के साथ समन्वय बनाकर कृषि अवशेष जलाने, औद्योगिक प्रदूषण, निर्माण गतिविधियों और वाहनों से निकलने वाले धुएं पर एक साझा रणनीति तैयार करता। दुर्भाग्य से ऐसे प्रयास या तो आधे-अधूरे रहे या केवल कागजों तक सीमित रह गए। इसी तरह एनजीटी से भी जिस सख्ती और निरंतर निगरानी की अपेक्षा थी, वह देखने को नहीं मिली, परिणामस्वरूप समस्या साल दर साल और गंभीर होती चली गई।

आज स्थिति यह है कि दिल्ली में फ्ट्रिपल इंजन सरकारफ्र है, यानी केंद्र, राज्य और नगर निगम, तीनों जगह भारतीय जनता पार्टी का शासन है। जो आरोप कभी भाजपा, आम आदमी पार्टी पर लगाती थी, वही सवाल आज भाजपा से पूछे जा रहे हैं। चिंता की बात यह है कि इस वर्ष प्रदूषण ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यह केवल असुविधा का विषय नहीं रहा, बल्कि सीधे तौर पर जानलेवा बन चुका है। दिल्ली के डॉक्टरों द्वारा दी जा रही चेतावनियां बेहद गंभीर हैं। अस्पतालों में मरीजों की जांच के दौरान फेफड़ों की स्थिति कोरोना महामारी के समय जैसी पाई जा रही है। बच्चों और बुजुर्गों पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है। हालात इतने खराब हैं कि डॉक्टर लोगों को सलाह दे रहे हैं कि यदि संभव हो तो प्रदूषण कम होने तक कुछ समय के लिए दिल्ली छोड़ दें। किसी भी राजधानी के लिए इससे अधिक शर्मनाक और खतरनाक स्थिति क्या हो सकती है? यह संकट केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है। देश के उत्तरी राज्यों के कई शहरों में हवा की गुणवत्ता लगातार गिरती जा रही है, लेकिन इसके बावजूद केंद्र सरकार और राजनीतिक दलों की असंवेदनशीलता चिंता पैदा करती है। हालात की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कुछ देशों ने अपने नागरिकों के लिए दिल्ली यात्रा को लेकर एडवाइजरी जारी कर दी है। इससे भारत की वैश्विक छवि को भी गहरा नुकसान पहुंच रहा है। और भी चिंताजनक यह है कि जब सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश यह कहने को मजबूर हों कि उनके पास कोई फ्जादू की छड़ीफ्र नहीं है, तो आम नागरिक खुद को पूरी तरह असहाय महसूस करता है। जिस दिल्ली में सत्ता, व्यवस्था और संसाधनों का संकेंद्रण है, अगर वहां लोगों का जीवन सुरक्षित नहीं है, तो बाकी देश के हिस्सों का भविष्य क्या होगा, यह सवाल स्वाभाविक है। आज जरूरत है कि केंद्र और राज्य सरकारें राजनीति से

ऊपर उठकर प्रदूषण को राष्ट्रीय आपात स्थिति की तरह लें। न्यायिक संस्थाओं को भी केवल टिप्पणियों तक सीमित न रहकर प्रभावी निगरानी और सख्त अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। समय रहते यदि सभी अपनी जिम्मेदारी नहीं समझेंगे, तो प्रदूषण केवल हवा को ही नहीं, बल्कि देश के भविष्य को भी जहरीला बना देगा। यह स्थिति काफी भयावह है। इस हालात से निकलने के लिए सभी को अपनी-अपनी जिम्मेदारी समझना होगा, तभी समाधान संभव है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

26 दिसंबर से बढ़ेगा रेल का किराया

- छोटी दूरी और दैनिक यात्रियों पर कोई असर नहीं होगा

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे ने 26 दिसंबर से नए किराया नियम लागू करने की घोषणा की है। इसे रेलवे ने किराया वृद्धि नहीं बल्कि 'किराये का युक्तिकरण' कहा है। छोटी दूरी और दैनिक यात्रियों पर कोई असर नहीं होगा। केवल लंबी दूरी की यात्राओं के लिए किराया बढ़ेगा। साधारण श्रेणी में 215 किलोमीटर से अधिक यात्रा करने वाले यात्रियों को 1 पैसा प्रति किलोमीटर, मेल और एक्सप्रेस नॉन-एसी में 2 पैसे प्रति किलोमीटर और एसी कोच यात्रियों को भी 2 पैसे प्रति किलोमीटर की दर से अतिरिक्त चुकाना होगा। जैसे यदि कोई यात्री नॉन-एसी कोच में 500 किलोमीटर यात्रा करता है, तो उसकी टिकट कीमत में लगभग 10 रुपये की बढ़ोतरी होगी। वहीं उपनगरीय ट्रेन और मंथली सीजन टिकट धारक पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। रेलवे का खर्च लगातार बढ़ रहा है। पिछले दशक में नेटवर्क और ऑपरेशन्स विस्तार के कारण कर्मचारियों का खर्च 1,15,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जबकि पेंशन का बोझ 60,000 करोड़ रुपये है। 2024-25 में संचालन लागत 2,63,000 करोड़ रुपये पार कर गई है। भारी खर्च और बेहतर सुरक्षा व्यवस्था के लिए रेलवे ने यात्री किराए में मामूली वृद्धि की है और कार्गो लोडिंग बढ़ाने पर भी जोर दिया है।

सर्ट-इन ने एप्पल उपकरणों में सुरक्षा कमजोरियों की चेतावनी दी

- आईओएस और आईपै डिओस में फंसी खतरनाक बग, डेटा और प्राइवेसी जोखिम में

नई दिल्ली । भारतीय कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (सर्ट-इन) ने आईफोन, आईपैड, मैक और अन्य एप्पल उपकरणों में कई सुरक्षा कमजोरियों के बारे में चेतावनी दी है। इन कमजोरियों के कारण किसी हमलावर को मनमाना कोड चलाने, अधिक अधिकार हासिल करने, संवेदनशील डेटा चुराने और सिस्टम में बाधा डालने का खतरा हो सकता है। आईफोन के आईओएस 26.2 और पुराने वर्ज़न, आईपैड के आईपै डियोस 18.7.3 से पहले के संस्करण, मैक के मैकओए टेहो और सोनोमा के कुछ संस्करण प्रभावित हो सकते हैं। इन कमजोरियों से डेटा हेरफेर, स्पूफिंग, मेमोरी खराबी और सुरक्षा प्रतिबंधों को बायपास करने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। सटइन ने एप्पल से स्पष्टीकरण मांगा, लेकिन जवाब नहीं मिला। एप्पल ने अप्रैल और दिसंबर में वैश्विक स्तर पर नोटिस जारी किए, जिसमें स्पाइवेयर और रिमोट एक्सेस हमलों से सावधान रहने की चेतावनी दी गई। उपयोगकर्ताओं को तुरंत अपने उपकरणों को नवीनतम अपडेट में अपडेट करने की सलाह दी गई है।

ट्रंप प्रशासन की जांच के बीच गूगल कर्मचारियों को मिली यात्रा की चेतावनी

- एच-1बी वीजा धारकों पर सख्ती, दूतावासों में अपॉइंटमेंट में 12 महीने तक की देरी

नई दिल्ली । गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट ने अमेरिका में काम कर रहे अपने कुछ कर्मचारियों को फिलहाल अंतरराष्ट्रीय यात्रा न करने की सलाह दी है। यह चेतावनी विशेष रूप से उन कर्मचारियों के लिए जारी की गई है जो अमेरिकी वीजा, खासकर एच-1बी पर काम कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कंपनी की ओर से भेजे गए एक आंतरिक ईमेल में कहा गया है कि अमेरिका के कई दूतावासों और काउंसलेट में वीजा अपॉइंटमेंट मिलने में भारी देरी हो रही है। ईमेल में बताया गया है कि यदि कोई कर्मचारी विदेश यात्रा करता है और उसे अमेरिका लौटने के लिए वीजा स्टैंप की आवश्यकता पड़ती है, तो वह लंबे समय तक अमेरिका के बाहर फँस सकता है। कुछ देशों में वीजा प्रक्रिया पूरी होने में 12 महीने तक का समय लग रहा है, जिससे कर्मचारियों और कंपनी दोनों को परेशानी हो सकती है। इस बीच अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी वीजा आवेदकों की जांच प्रक्रिया को और सख्त कर दिया है। नई प्रक्रिया में सोशल मीडिया अकाउंट्स की जांच भी शामिल की गई है। एच-1बी वीजा का उपयोग बड़ी टेक कंपनियां, विशेष रूप से भारत और चीन से कुशल पेशेवरों की नियुक्ति के लिए करती हैं।

सहारा इंडिया पर बकाया वेतन का आरोप, लखनऊ में एफआईआर दर्ज

- काम किया पर नहीं मिली सैलरी, परेशान कर्मचारी

लखनऊ (ईएमएस)। सहारा इंडिया की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। कंपनी के डिप्टी चीफ मैनेजर ओपी श्रीवास्तव और सहारा परिवार के खिलाफ अरिंदम बनर्जी और उनकी पत्नी शिवानी ने बकाया वेतन न मिलने को लेकर एफआईआर दर्ज कराई है। मामला पहले कोलकाता के टेक्नोसिटी थाने में दर्ज हुआ था, लेकिन बाद में इसे लखनऊ ट्रांसफर कर दिया गया। अब इसकी जांच गोमती नगर पुलिस करेगी। एफआईआर के अनुसार, अरिंदम और शिवानी 1 सितंबर 2016 से कंपनी के चेयरमैन ऑफिस में तैनात थे। अरिंदम का वेतन शुरू में 4.40 लाख रुपए मासिक था, जिसे 5.46 लाख रुपए किया गया। शिवानी का वेतन 81 हजार रुपए था। चार साल नौकरी के बाद दोनों ने छह महीने का वैतनिक अवकाश लिया, लेकिन इस दौरान भी ऑनलाइन कंपनी से जुड़े रहे। जुलाई 2022 में बकाया वेतन की मांग की गई और जून 2023 में कुछ राशि मिली। हालांकि, कुल बकाया वेतन और ब्याज मिलाकर 2.03 करोड़ रुपए होने के बावजूद

सहारा इंडिया ने इसे अब तक पूरा भुगतान नहीं किया। कंपनी पहले से कई विवादों और कानूनी झंझटों में घिरी हुई है। यह मामला सहारा इंडिया के लिए नई कानूनी परेशानियों का कारण बन सकता है। अब लखनऊ पुलिस मामले की विवेचना करेगी और यह देखना होगा कि पीड़ितों को उनका बकाया वेतन कब मिलेगा।

टाइटन के घड़ी व्यवसाय की बिक्री एक अरब डॉलर के पार होने की उम्मीद

नई दिल्ली । टाइटन, प्रमुख घड़ी और आभूषण निर्माता, अपने घड़ी व्यवसाय को लेकर आशावादी है। कंपनी ने अगले दो वर्षों में बिक्री को 1 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए वह प्रीमियम उत्पादों को बढ़ावा देने, खुदरा नेटवर्क का विस्तार करने और अंतरराष्ट्रीय कारोबार को बढ़ाने की रणनीति अपना रही है। कंपनी के एक अ धिकारी के मुता बिक पिछले 4-5 वर्षों में टाइटन ने लगभग 16 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। भविष्य की वृद्धि के लिए कंपनी प्रीमियम और लक्ज़री खंड पर ध्यान केंद्रित कर रही है। टाइटन भारत में हेलिओस और हेलिओस लक्स स्टोर्स के माध्यम से इस खंड का विस्तार कर रहा है।मार्कोस ने कहा कि भारत में प्रीमियम और लक्ज़री घड़ियों की मांग तेज़ी से बढ़ रही है, जिसमें 30 फीसदी से अधिक की वृद्धि की संभावना है। मजबूत आर्थिक स्थिति, बढ़ती व्यक्तिगत आय और बड़ी युवा आबादी इस बाजार को और भी आकर्षक बना रहे हैं।

रियाल की बढ़ती कीमतों से हज यात्रा हुई महंगी

- 2020 से 2025 तक प्रति यात्री खर्च लगभग 55,000 रुपये बढ़ गया

नई दिल्ली । हज यात्रा पर जाने वाले भारतीय नागरिक अब और अधिक खर्च उठाने के लिए तैयार रहना पड़ रहा है। सऊदी रियाल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी के कारण हज यात्रा 2020 से 2025 तक लगभग 19 प्रतिशत महंगी हो गई है। कमजोर भारतीय रुपए के चलते रियाल के दाम बढ़ते जा रहे हैं, जिससे देश के डेढ़ लाख यात्रियों और प्रदेश के लगभग 6,500 चयनित लोगों पर इसका सीधा असर पड़ा है। साल 2025 में रियाल की कीमत 23.88 रुपए प्रति रियाल तक पहुंच गई है, जो पिछले पांच साल में लगभग 4 रुपए की बढ़ोतरी है। इसी वजह से प्रत्येक हज यात्री का खर्च लगभग 55,000 रुपए बढ़ गया है। यह बढ़ोतरी यात्रा की कुल लागत पर सीधे असर डाल रही है। पिछले वर्षों की तुलना करें तो साल 2020 में हज यात्रा का खर्च 2.70 लाख रुपये था, जब रियाल का मूल्य 19.60 रुपये था। कोविड-19 महामारी के कारण 2021 में हज यात्रा स्थगित कर दी गई। 2022 में हज यात्रा का खर्च बढ़कर 3.75 लाख रुपये और रियाल की कीमत 21.90 रुपये हो गई। 2023 और 2024 में क्रमशः खर्च 3.50 लाख और 3.20 लाख रुपये, और रियाल की कीमत 22.15 और 22.65 रुपये रही। इस बार 2025 की हज यात्रा में यात्रियों को और अधिक राशि खर्च करनी पड़ेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव और रुपए की कमजोर स्थिति से हज यात्रा के खर्च पर असर पड़ता रहेगा। वहीं मध्यप्रदेश से चयनित 6,500 लोगों के लिए यह बढ़ी हुई लागत चुनौती बन सकती है। इस प्रकार रियाल के बढ़ते दाम और रुपए की गिरती कीमत हज यात्रा को महंगा बनाकर सामान्य भारतीय परिवारों पर वित्तीय दबाव डाल रहे हैं।

औद्योगिक आंकड़ों और वैश्विक संकेतों पर रहेगी निवेशकों की नजर

- अमेरिकी जीडीपी, एडीपी रोजगार डेटा, और बेरोजगारी के साप्ताहिक दावे बाजार के लिए महत्वपूर्ण होंगे

मुंबई ।

पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में गिरावट रही, और निवेशक आने वाले सप्ताह में उद्योगों से जुड़े अहम आंकड़ों और वैश्विक संकेतों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। बीते सप्ताह बीएसई का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 338.30 अंक यानी 0.40 प्रतिशत गिरकर 84,929.36 अंक पर बंद हुआ। सोमवार को आठ प्रमुख उद्योगों के उत्पादन के आंकड़े जारी किए जाएंगे। ये आंकड़े निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होंगे और बाजार की दिशा पर असर डाल सकते हैं। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार और वैश्विक आर्थिक हालात पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। अगले सप्ताह अमेरिकी जीडीपी, एडीपी रोजगार डेटा और बेरोजगारी के साप्ताहिक दावों के आंकड़े भी जारी होंगे। कमोडिटी मार्केट और शेयर बाजार पर इन आंकड़ों का सीधा प्रभाव देखने को मिल सकता है। नया शुरू होने वाला सप्ताह कारोबारी लिहाज से छोटा है क्योंकि 25 दिसंबर को क्रिसमस की छुट्टी है। इसलिए कमोडिटीज की कीमतों में उतार-चढ़ाव कम हो

सकता है। नए हफ्ते में कुछ ही इकोनॉमिक डेटा जारी होने वाले हैं, खासकर अमेरिकी जीडीपी, एडीपी एंप्लॉयमेंट डेटा और बेरोजगारी के वीकली दावों का डेटा। कमोडिटी मार्केट की इन आंकड़ों पर पैनी नजर रहेगी क्योंकि इन्हीं के बेसिस पर मार्केट की चाल तय होगी। निवेशक उद्योगों के आंकड़ों और वैश्विक आर्थिक संकेतों पर ध्यान केंद्रित करेंगे, जबकि कम कारोबारी दिन और छुट्टियों के चलते बाजार में गतिविधि थोड़ी धीमी रहने की संभावना है।

घरेलू थोक बाजार में चावल और गेहूं में तेजी, चीनी और दालें सस्ती

नई दिल्ली ।

घरेलू थोक जिंस बाजार में बीते सप्ताह चावल की कीमतों में मजबूती देखी गई। सप्ताह के दौरान चावल का औसत भाव 71 रुपये बढ़कर 3,827 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। विशेषज्ञों के अनुसार ग्राहकों में वृद्धि और मांग की मजबूती के कारण चावल के भाव में यह उछाल आया है। गेहूं की कीमतों में भी बढ़ोतरी रही। गेहूं का औसत भाव 10 रुपये की वृद्धि के साथ 2,858.33 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। गेहूं की मांग में थोड़ा इज़ाफा और भंडारण की रणनीतियों के कारण कीमतों में यह मामूली बढ़ोतरी हुई। आटे की कीमतें इस सप्ताह लगभग स्थिर रहीं। आटे का भाव 3,305.69 रुपये प्रति क्विंटल पर दर्ज किया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि आटे की सप्लाई पर्याप्त होने के कारण इसमें कोई खास उतार-चढ़ाव नहीं हुआ। बीते सप्ताह चीनी और दालों के बाजार में गिरावट रही। इसकी मुख्य वजह उत्पादन में वृद्धि और मांग की तुलना में उपलब्धता अधिक होना बताया जा रहा है। दालों और चीनी की कीमतें

ग्राहकों के लिए कुछ राहत देने वाली रही हैं।

खाद्य तेलों के भाव में इस सप्ताह अस्थिरता देखी गई। कुछ तेलों में मामूली बढ़ोतरी रही, तो कुछ में कीमतें घटीं। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय कीमतों और आयात पर निर्भरता के कारण खाद्य तेलों में अस्थिरता बनी हुई है।

एसबीआई का आवास ऋण पोर्टफोलियो 10 लाख करोड़ के करीब

बैंक की इस समय आवास ऋण बही 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक

नई दिल्ली । देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का आवास ऋण पोर्टफोलियो अगले वित्त वर्ष में 10 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर सकता है। बैंक की इस समय आवास ऋण बही 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक है, जो इसकी सबसे बड़ी व्यावसायिक इकाई है और कुल परिसंपत्तियों का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बनाती है। एसबीआई के चेयरमैन सीएस सेट्टी के अनुसार, बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 में आवास ऋण को 8.31 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर नौ लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुंचाया। इस दौरान सालाना आधार पर वृद्धि दर 14.4 प्रतिशत रही। बैंक अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 10 लाख करोड़ रुपये के लक्ष्य की दिशा में बढ़ रहा है। एसबीआई ने अपने आवास ऋण पोर्टफोलियो को मार्च 2011 में केवल 1 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर नवंबर 2025 तक 9 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाया। इस दौरान बैंक ने लगातार स्थिर और संरचित तरीके से ऋण वितरण किया। बैंक की सक्रिय निगरानी और प्रबंधन के कारण आवास ऋण खंड में नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स की दर 1 प्रतिशत से कम बनी हुई है, जिससे यह ऋण सुरक्षित और भरोसेमंद बना हुआ है। एसबीआई का यह मजबूत प्रदर्शन बैंकिंग क्षेत्र में स्थिरता और आवास वित्त पोषण में तेजी को दर्शाता है।

सेंसेक्स की 10 में 6 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण 75,257 करोड़ बढ़ा

- सबसे अधिक लाभ टीसीएस को हुआ, जिसका एमकैप 22,595 करोड़ रुपए बढ़ा

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में गिरावट के बावजूद बीएसई की टॉप-10 कंपनियों में मिली-जुली चाल देखी गई। पिछले सप्ताह छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (एमकैप) में कुल 75,257 करोड़ रुपए की बढ़त हुई, जबकि बाकी चार कंपनियों के एमकैप में कुल 45,842 करोड़ रुपए की गिरावट दर्ज हुई। इस सप्ताह सबसे अधिक लाभ टीसीएस को हुआ, जिसका एमकैप 22,595 करोड़ रुपए बढ़ा। इसके बाद इंफोसिस का एमकैप 16,972 करोड़ रुपए बढ़ा। भारतीय स्टेट बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के एमकैप में क्रमशः 15,923 करोड़ और 12,315 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। वहीं भारती एयरटेल का एमकैप 7,384 करोड़ रुपए और लार्सन एंड टूब्रो का लगभग 69 करोड़ रुपए बढ़ा। वहीं इस

सप्ताह एचडीएफसी बैंक को सबसे अधिक नुकसान हुआ, जिसका एमकैप 21,920 करोड़ रुपए घटा। इसके अलावा एलआईसी** का एमकैप 9,614 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक का 8,428 करोड़ रुपए और बजाज फाइनेंस का 5,880 करोड़ रुपए गिरा। सप्ताह के अंत में रिलायंस इंडस्ट्रीज 21.18 लाख करोड़ रुपये के बाजार मूल्य के साथ पहले स्थान पर रही। एचडीएफसी बैंक दूसरे और भारती एयरटेल तीसरे स्थान पर बनी रही। विश्लेषकों के अनुसार, आईटी और ऊर्जा क्षेत्र की कंपनियों ने निवेशकों का भरोसा बनाए रखा, जबकि बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों में दबाव अधिक रहा। इस मिश्रित प्रदर्शन ने बीएसई के टॉप-10 शेयरों में अलग-अलग दिशा दिखाने का रुझान उजागर किया।

एफपीआई ने दिसंबर में भारतीय बाजार से निकाले 23,377 करोड़

- पूरे वित्त वर्ष में एफपीआई अब तक 68,628 करोड़ की कर चुके हैं निकासी

मुंबई ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार से कुल 23,377 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। सीडीएसएल के आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने इक्विटी बाजार से 14,185 करोड़ रुपये और डेट सेगमेंट से 9,682 करोड़ रुपये निकाल लिए। यह संकेत देता है कि विदेशी निवेशक अब बाजार में अधिक सतर्क हो गए हैं और बड़े पैमाने पर पैसा वापस ले रहे हैं।

हालांकि, म्यूचुअल फंड और हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट्स में एफपीआई का निवेश जारी रहा। म्यूचुअल फंड में उन्होंने 77 करोड़ रुपये और हाइब्रिड में 420 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। इससे स्पष्ट होता है कि निवेशकों ने कुछ सुरक्षित और मिश्रित विकल्पों में अपनी रकम बनाए रखी है। करीब दो महीने के अंतराल के बाद दिसंबर में एफपीआई फिर से शुद्ध बिकवाल बने।

इससे पहले, नवंबर में उन्होंने 4,114 करोड़ रुपये और अक्टूबर में 35,246 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। यह बदलाव दिखाता है कि विदेशी निवेशक बाजार की परिस्थितियों के अनुसार अपने निवेश की रणनीति बदल रहे हैं। पूरे कैलेंडर वर्ष में एफपीआई अब तक 68,628 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने केवल इक्विटी से ही 1,51,677 करोड़ रुपये निकाले, जबकि डेट, म्यूचुअल फंड और हाइब्रिड सेगमेंट में उनका निवेश अभी भी सकारात्मक बना हुआ है।

भारत ने 2025 में हासिल किया नवीकरणीय ऊर्जा का बड़ा मुकाम

- कुल बिजली क्षमता का आधा हिस्सा अब गैर-जीवाश्म स्रोतों से

नई दिल्ली । 2025 में भारत ने पेरिस समझौते के तहत तय 2030 के लक्ष्य से पांच साल पहले ही अपनी कुल बिजली उत्पादन क्षमता का 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से प्राप्त कर लिया। देश की कुल स्थापित क्षमता अब लगभग 510 गीगावॉट है, जिसमें 247 गीगावॉट जीवाश्म ईंधन और 262 गीगावॉट गैर-जीवाश्म स्रोतों से है। गैर-जीवाश्म स्रोतों में से 254 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा से आता है।

2025 में लगभग 50 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा जोड़ी गई, जिसमें जनवरी से नवंबर के बीच 45 गीगावॉट शामिल हैं। इस दौरान 35 गीगावॉट सौर ऊर्जा का योगदान रहा। इस विस्तार के लिए लगभग दो लाख करोड़ रुपये का निवेश किया गया। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना और पीएम कुसुम योजना ने नवीकरणीय परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने में मदद की। उद्योग के अनुसार प्रति मेगावॉट निवेश आवश्यकता लगभग चार करोड़ रुपये है। भूमि अधिग्रहण, मार्ग अधिकार और बिजली खरीद समझौतों में देरी जैसी चुनौतियां नई परियोजनाओं को सीमित कर रही हैं। हालांकि, सरकार को उम्मीद है कि 2026 में भी इसी रफ्तार से क्षमता जोड़ी जाएगी। नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि भविष्य उज्ज्वल है और ऊर्जा नवीकरणीय स्रोतों से संचालित होगी।

इंडिगो दिसंबर फ्लाइट रद्दीकरण: प्रभावित यात्रियों को मिलेगा 10,000 का मुआवजा

- वेबसाइट से टिकट बुक करने वाले यात्रियों को पहले भुगतान करेगी

नई दिल्ली । इंडिगो अगले हफ्ते से उन यात्रियों को मुआवजा देना शुरू करेगा, जो दिसंबर की शुरुआत में हुई बड़े पैमाने पर फ्लाइट रद्दीकरण से प्रभावित हुए थे। एयरलाइन सीधे इंडिगो की वेबसाइट से टिकट बुक करने वाले यात्रियों को पहले भुगतान करेगी, क्योंकि उनकी जानकारी एयरलाइन के पास पहले से मौजूद है। ट्रैवल एजेंट और ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसियों (ओटीए) के माध्यम से बुक किए गए यात्रियों का डेटा एयरलाइन अब एकत्र करेगी। प्रभावित यात्रियों को 10,000 रुपए के यात्रा वाउचर दिए जाएंगे। यह राशि सरकार के नियमों के तहत 5,000 से 10,000 रुपए तक के अतिरिक्त मुआवजे के अलावा होगी। पात्र तिथियाँ 3, 4 और 5 दिसंबर हैं, जब यात्री कई घंटे एयरपोर्ट पर फंसे थे। डीजीसीए यह सुनिश्चित करेगा कि हर पात्र यात्री को मुआवजा मिले। मंत्रालय एयर सेवा पोर्टल के जरिए प्रक्रिया की निगरानी करेगा और लंबित शिकायतों को तुरंत निपटाएगा। हालांकि इंडिगो ने रद्द की गई फ्लाइट्स के लिए रिफंड शुरू कर दिया है, ओटीए के माध्यम से बुकिंग करने वाले कई यात्रियों को अभी तक पूरी राशि नहीं मिली है। डीजीसीए ने ओटीए को निर्देश दिए हैं कि यात्री को बिना किसी कटौती के पूरी राशि लौटाई जाए। गौरतलब है कि 1-9 दिसंबर के बीच इंडिगो ने कुल 4,354 फ्लाइट्स रद्द की थीं। इनमें से 3, 4 और 5 दिसंबर को 2,507 फ्लाइट्स रद्द हुईं, जिनमें 2,456 घरेलू और 51 अंतरराष्ट्रीय सेवाएं शामिल हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 82 रनों से हराकर एशेज सीरीज में 3-0 की बढ़त हासिल की

एडिलेड (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने यहां खेले गये तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 82 रनों से हराकर पांच टेस्ट मैचों की एशेज सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल करने के साथ ही सीरीज अपने पास बरकरार रखी है। मैच के अंतिम दिन छह विकेट पर 207 रनों से आगे खेलते हुए इंग्लैंड टीम अपनी दूसरी पारी में 352 रनों पर ही आउट हो गयी जबकि उसे जीत के लिए 435 रनों का लक्ष्य मिला था। इस प्रकार मेहमान टीम इंग्लैंड को 82 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ ही इंग्लैंड का सीरीज में बराबरी का सपना भी टूट गया।

लक्ष्य का पीछ करते हुए इंग्लैंड की टीम के बल्लेबाज उम्मीद के अनुरुप नहीं खेल पाये। बल्लेबाज जैक क्राउली ने सबसे अधिक 85 रन बनाये पर अन्य बल्लेबाज बढ़ी पारी नहीं खेल पाये। जेमी स्मिथ 60 के बाद विल जैक्स ने 47 रन और इसके बाद ब्रायडन कार्स ने 39 रन बनाये पर अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये।

अंतिम दिन इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने काफी प्रयास किये जिससे ऑस्ट्रेलियाई टीम को भी काफी पसीना बहाना पड़ा। जेमी स्मिथ एक छोड़ पर जमे हुए थे जिससे मेहमान टीम की उम्मीदें बनी हुई थीं। स्मिथ ने विल जैक्स के साथ मिलकर 91 रन बनाये। इस जोड़ी के टूटने के बाद जैक्स ने ब्रायडन के साथ मिलकर इंग्लैंड की उम्मीदों को बनाये रखा। जैक्स 47 रनों पर आउट हो गए। उनके आउट होते ही फिर इंग्लैंड की पारी ढ़ह गयी। जैक्स और ब्रायडन के बीच 52 रनों की साझेदारी हुई थी।

जैक्स का विकेट गिरने के बाद ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने जोफ्रा आर्चर और जोश टंग का विकेट लेकर मैच जीत लिया। ब्रायडन 39 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से गेंदबाजी में कप्तान पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क के अलावा नाथन लायन ने तीन-तीन विकेट लिए। इसके अलावा स्कॉट बोलेंड ने एक विकेट लिया।

इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की जीत में एलेक्स कैरी और ट्रेविस हेड की अहम भूमिका रही। कैरी ने पहली जबकि हेड ने दूसरी पारी में शतक लगाकर अपनी टीम को बढ़त दिलायी।

इससे टीम ने पहली पारी में 371 रन बनाये। वहीं इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर ने सबसे ज्यादा पांच विकेट लिए जबकि ब्रायडन कार्स और विल जैक्स ने 2-2 विकेट लिए वहीं जोश टंग को एक विकेट मिला। वहीं इंग्लैंड की टीम अपनी अपनी पहली पारी में पारी में 286 रन ही बना पाई। इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया को 85 रनों की बढ़त मिली। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने 349 रन बनाकर इंग्लैंड को जीत के लिए 435 रनों का लक्ष्य दिया था।

सात्विकसाईराज और चिराग की जोड़ी बीडब्लयूएफ विश्व टूर के सेमीफाइनल में हारी

हांगझू (एजेंसी)। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग से हार के साथ ही बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर बैडमिंटन फाइनल्स से बाहर हो गई है। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम जीता था पर इसके बाद वह अपनी लया बनाये नहीं रख पायी और एक घंटे तीन मिनट तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में 21-10, 17-21 13-21 से हार गयी। सात्विक और चिराग की जोड़ी को ग्रुप चरण में इस चीनी जोड़ी के खिलाफ जीत मिली थी पर सेमीफाइनल में वह इस सिलसिले को बरकारार नहीं रख पाये। चीनी जोड़ी इस बार भारतीय जोड़ी पर भारी पड़ी। मैच के बाद शेट्टी ने कहा, ''मुझे लगता है कि हमने पहले गेम में काफी अच्छी शुरुआत की पर उसे बनाये नहीं रख पाये। । वहीं इससे पहले

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी मेलेशियाई जोड़ी के खिलाफ जीत के साथ ही बीडब्लयूएफ विश्वटूर के सेमीफाइनल में पहुंची थी। भारतीय टीम ने मलेशिया की आरोन चिया और सोह वूई यिक की जोड़ी को एक घंटे से अधिक समय तक चले रोमांचक मुकाबले में 17-21, 21-18, 21-15 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। इस जीत के साथ ही सात्विक-चिराग सत्र के अंतिम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष जोड़ी बन गई है। इस मैच में पहले गेम में हार के बाद भी इस जोड़ी ने जबरदस्त प्रदर्शन कर वापसी की। अब सेमीफाइनल में इस जोड़ी का मुकाबला चीन के लियांग वेइ केंग और वांग चांग से होगा। गौरतलब है कि बीडब्लयूएफ विश्वटूर फाइनल्स साल का सबसे बड़ा बैडमिंटन टूर्नामेंट है, जिसमें हर वर्ग में विश्व के शीर्ष 8 खिलाड़ी शामिल होते हैं। इसमें ग्रुप स्तर के बाद सेमीफाइनल और फाइनल खेले जाते हैं।

रोहित ने साहा को सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपरों में से एक बताया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने विकेटकीपर बल्लेबाज विद्धिमान साहा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसे वह स्थान नहीं मिला जो मिलना चाहिये था। रोहित का मानना है कि साहा देश के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपरों में से एक हैं। साथ ही कहा कि उनका तकनीकी कौशल अच्छा है। वह तेज और विविधता भरी गेंदबाजी के खिलाफ एक बेहतरीन विकेटकीपर रहे हैं। उनकी विकेट के पीछे कैच पकड़ने और स्टंपिंग की क्षमता जबरदस्त रही है। साहा ने रविन्द्र जडेजा और आर अश्विन की गेंदबाजी के सामने भी काफी कठिन कैच लिए हैं। इससे वह भारत का सबसे कुशल विकेटकीपर बनाता है। रोहित न साहा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्हें भारत में ऐसा विकेटकीपर कभी नहीं देखा। टेस्ट मैच में गेंद अक्सर घूमती और नीची रहती है पर साहा कभी गलती नहीं करते थे। जडेजा और अश्विन जैसी स्पिनरों के सामने सभी वह आसानी से विकेटकीपिंग करते थे। को सहजता से इससे बाद भी उनकी काफी कम तारीफ हुई है। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में साहा ने महेन्द्र सिंह धोनी और ऋषभ पंत की तरह से काम किया है हालांकि साहा की शैली और तकनीक पारंपरिक रही है। साहा ने 40 टेस्ट मैचों में 104 शिकार किये हैं। जिनमें 92 कैच और 12 स्टंपिंग्स शामिल हैं। वहीं बल्लेबाजी में उन्होंने 1,353 रन बनाए, जिनमें 3 शतक और 6 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 9 एकदिवसीय ही खेले हैं। जहां धोनी तेज से कीपिंग करते थे वहीं साहा शैली में धीमे से अपना कौशल दिखाते हैं।

पाकिस्तान ने अंडर-19 एशिया कप 2025 में भारतीय टीम को 191 रनों से हराकर खिताब जीता

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान ने दुबई में खेले गए अंडर-19 एशिया कप 2025 का खिताब जीत लिया है। यहां हुए फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान ने भारतीय टीम को 191 रनों से हराकर बड़ी जीत दर्ज की है। इससे पाक टीम ने लीग मुकाबले के दौरान भारतीय टीम के हाथों मिली हार का हिसाब भी बराबर कर दिया। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पाक टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। पाक ने समीर मिन्हास के शानदार शतक से आठ विकेट पर 347 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 348 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ढ़ह गयी और 26.2 ओवर में 156 रनों पर ही सिमट गयी। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान आयुष म्हात्रे 2, जबकि आरोन जॉर्ज 16, वैभव सूर्यवंशी 26, विहान मल्होत्रा 7 और अभिज्ञान कुंडू 13 रनों पर ही आउट हो गये। इसके बाद सभी बल्लेबाज दो अंकों में भी नहीं पहुंच पाये। पाकिस्तान की ओर से अली राजा ने 4 विकेट लिए जबकि मोहम्मद सैयम ने 2 विकेट लिए। अब्दुल सुभन ने 2 विकेट और हुजाईफा अहसान ने भी इतने ही विकेट लिए

वहीं पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक टीम ने शुरुआत से आक्रामक रुख अपनाया और भारतीय गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। समीर ने गेंदबाज किशन सिंह और दीपेश देवेंद्रन के खिलाफ तेजी से शॉट खेले। समीर ने 113 गेंदों पर 17 चौके और 9 छक्के लगाकर 172 रन बनाए। समीर के अलावा अहमद हुसैन ने 72 गेंदों पर 56 रन बनाये। भारत की तरफ से दीपेश देवेन्द्रन ने 3 जबकि हेनिल पटेल और खिलान पटेल ने 2-2 विकेट लिए। पाक के हमजा जहूर 18 रन पर आउट हुए। जहूर के आउट होने के बाद उस्मान खान 35 उतरे और मिन्हास के साथ मिलकर 92 रन की भागीदारी करके स्कोर 123 रन तक पहुचाया। टूर्नामेंट में एक शतक और एक अर्धशतक जड़कर अच्छी फॉर्म में चल रहे बाएं हाथ के अहमद हुसैन ने 56 रन की पारी खेली पर बाएं हाथ के स्पिनर खिलन पटेल 44 रन देकर दो विकेट ने मध्यक्रम के इस बल्लेबाज को स्वीप शॉट खेलने के लिए ललचाया जिससे वह मिड-विकेट पर कैच आउट हो गए। उनके और मिन्हास के बीच 137 रन की भागीदारी ने पाकिस्तान को बड़े स्कोर तक पहुंचने में अहम भूमिका अदा की।

स्टेन ने हार्दिक को सुपरहीरो और सेलिब्रिटी खिलाड़ी बताया

अहमदाबाद (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने आक्रामक पारी खेलने वाले भारतीय टीम के ऑलराउडर हार्दिक पांड्या की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें सुपरहीरो कहा है।। स्टेन ने कहा कि पांड्या मानसिक रूप से काफी मजबूत खिलाड़ी हैं और उनकी चमक खेल में नजर आती है। पांड्या ने पांचवे टी20 में तेजी से अर्धशतक लगाते हुए भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। स्टेन ने कहा, ''हार्दिक ने शानदार प्रदर्शन किया। वह एक खिलाड़ी से आगे निकलकर से सेलिब्रिटी बन गये हैं। वह किसी एक फिल्म के सुपरहीरो जैसे हो गये हैं जहां कोई भी उनकी रणनीति नहीं बदल सकता।'' उन्होंने कहा, ''इसमें कोई गलती जैसे बात नहीं है, ये अपनी धाक जमाने जैसी बात है। यह एक ऐसा प्रभाव है जिसकी बराबरी कोई नहीं कर सकता। आप इसे उनकी भाव भंगिमा में देख सकते हैं। वह मानसिक रूप से एक अलग ही स्तर पर हैं। इस प्रकार वह अन्य खिलाड़ियों से आगे है।'' स्टेन ने कहा कि उनके तेज गेंदबाजों का रुख सतर्क नहीं रहा। जिससे उनकी टीम को नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, ''भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का प्रभाव अलग ही है। अगर आप उन्हें हावी होने का अवसर देते हैं तो ये नुकसानदेह रहेगा। वहीं दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों ने उनके सामने सतर्क रुख अपना नुकसान उठाया।''

ईशान किशन की वापसी पर गावस्कर ने खुशी जतायी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम में शामिल किये जाने पर खुशी जतायी है। गावस्कर ने कहा कि जिस प्रकार का अच्छा प्रदर्शन हाल के दिनों मे ईशान ने किया था उससे उनकी वापसी तय थी। गावस्कर ने कहा, मैं ईशान के लिए बहुत खुश हूं. वह कुछ समय टीम से बाहर रहे पर झारखंड को ट्रॉफी दिलाकर उसने शानदार वापसी की। वहीं गावस्कर ने बल्लेबाज शुभमन गिल को बाहर किए जाने पर हैरानी जतायी पर कहा कि फॉर्म में नहीं होने से उन्हें आराम दिया गया है। उन्होंने कहा, वह अच्छे बल्लेबाज हैं और उनका प्रदर्शन 2024 टी20 विश्व कप के बाद से ही सराहनीय रहा ह। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालांकि वह रन नहीं बना पाये कुछ मैचों में उन्हें परेशानी हुई पर फॉर्म आती-जाती है। टी20 में शुरुआत से ही तेज खेलना होता है, अगर लय न हो तो मुश्किल हो जाती है। इसी कारण शायद उन्हें बाहर किया गया है। गावस्कर ने कहा, 'उनका स्वाभाविक खेल टेस्ट क्रिकेट के लिए ज्यादा सही है। वह टी20 में तेज रन बनाने के लिए संघर्ष करते हैं पर वह बहुत अच्छे खिलाड़ी है। हमने यह आईपीएल में भी देखा है, इसलिए टी20 उनके लिए नया प्रारुप नहीं है। गावस्कर ने जितेश को बाहर किये जाने पर दुख जताते हुए कहा, जितेश ने कुछ भी गलत नहीं किया। उन्हें जितने मौके मिले, वह अच्छे विकेटकीपर साबित हुए। उनके लिए परेशान है पर युवा होने के कारण वह वापसी करेंगे।

वर्ल्ड टेनिस लीग 2025: सुरेश की धमाकेदार सर्व से ऑस्ट्रेलियन मावेरिक्स काइट्स ने जीता खिताब

बैंगलुरु (एजेंसी)। वर्ल्ड टेनिस लीग 2025 (WTL) ने बैंगलुरु के स्रू कृष्णा स्टेडियम में चार दिनों तक रोमांचक टेनिस का आनंद दिया। फाइनल में भारत के धक्षिणेश्वर सुरेश की शानदार परफॉर्मेंस की मदद से ऑस्ट्रेलियन मावेरिक्स काइट्स ने AOS ईगल्स को 22-19 से हराकर अपना पहला WTL खिताब अपने नाम किया।

फाइनल से पहले ऑस्ट्रेलियन मावेरिक्स काइट्स टूर्नामेंट में टेबल के निचले हिस्से में थीं। लेकिन टूर्नामेंट के डायनामिक फॉर्मेट ने उन्हें लय में वापस लाकर फाइनल तक पहुंचाया। दर्शकों से भरे स्टेडियम में क्रिकेट के दिग्गज कपिल देव और केएल राहुल भी मौजूद थे। इस रोमांचक मुकाबले में टीम ने आखिरी क्षण तक शानदार खेल दिखाया।

धक्षिणेश्वर सुरेश ने ग्रुप स्टेज में सुमित नागल से मिली हार का बदला फाइनल में 7-6 के निर्णायक सेट से चुकाया। 25 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी, जो वर्तमान में वेक फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी के छात्र हैं, ने डेनियल मेदवेदेव जैसे बड़े खिलाड़ियों को हराकर खुद को भविष्य के स्टार खिलाड़ी के रूप में पेश किया।

फाइनल में मार्टा कोस्त्युक ने पहले मैच में श्रीवल्ली भामिदिपति को 6-4 से हराकर मावेरिक्स को शुरुआती बढ़त दिलाई। हालांकि AOS ईगल्स ने मिक्स्ड डबल्स में श्रीवल्ली और गेल मोनफिल्स की मदद से मावेरिक्स को 6-3 से हराकर वापसी की कोशिश की।

लेकिन उनकी वापसी ज्यादा देर तक टिक नहीं सकी। निक किर्गियोस और धक्षिणेश्वर सुरेश की जोड़ी ने सुमित नागल और मोनफिल्स को 6-3 से हराकर निर्णायक जीत मावेरिक्स के नाम कर दी। इस शानदार प्रदर्शन के लिए धक्षिणेश्वर को 'मैन ऑफ़ द फाइनल' का खिताब भी मिला।

वर्ल्ड टेनिस लीग, जिसे 'The Greatest Show on Court!' कहा गया है, ने भारतीय दर्शकों को विश्व स्तरीय खिलाड़ियों का शानदार खेल देखने का मौका दिया। टूर्नामेंट में AOS ईगल्स, ऑसी मावेरिक्स काइट्स, गेम चेंजर्स फाल्कन्स और वीबी रियल्टी हॉक्स ने भाग लिया। युवा भारतीय खिलाड़ियों जैसे धक्षिणेश्वर सुरेश, श्रिवल्ली, सहजा यमालपल्ली और माया राजेश्वरन ने अनुभवी खिलाड़ियों के साथ खेलकर सीखने और प्रेरणा लेने का अवसर पाया।

हॉलैंड ने प्रीमियर लीग में सर्वाधिक गोल का रिकॉर्ड बनाया, रोनाल्डो को पीछे छोड़ा

लंदन। एर्लिंग हॉलैंड ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दो गोल करके इंग्लिश प्रीमियर लीग (EPL) में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में क्रिस्टियानो रोनाल्डो को पीछे छोड़ दिया जिससे मैनचेस्टर सिटी ने आसान जीत दर्ज करके अपनी जीत का सिलसिला पांच मैच तक पहुंचा दिया। मैनचेस्टर सिटी को इस जीत तीन अंक मिले, लेकिन यह आर्सेनल को क्रिसमस के दिन प्रीमियर लीग में शीर्ष पर रहने से रोकने के लिए पर्याप्त नहीं था। आर्सेनल ने विक्टर ग्योकेरेस के पहले हाफ में पेनल्टी पर किए गोल की बदौलत एवर्टन पर 1-0 की जीत हासिल की जिससे यह सुनिश्चित हो गया कि आर्सेनल 25 दिसंबर को प्रीमियर लीग में पांचवीं बार पहले स्थान पर रहेगा। इससे पहले जब चार अवसरों पर आर्सेनल क्रिसमस तक शीर्ष पर रहा था तब वह खिताब नहीं जीत पाया था। आर्सेनल के बाद मैनचेस्टर सिटी दूसरे स्थान पर है। वह आर्सेनल से केवल दो अंक पीछे है। उसने वेस्ट हैम को 3-0 से हराया। हॉलैंड ने दोनों हाफ में एक-एक गोल करके इस सत्र में 17 मैचों में 19 गोल कर लिए हैं। इस तरह से उन्होंने प्रीमियर लीग में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में रोनाल्डो को पीछे छोड़ दिया। हॉलैंड ने इस सत्र में सिटी और नॉर्वे के लिए कुल 28 मैचों में 38 गोल किए हैं। हॉलैंड के प्रीमियर लीग में 104 गोल हो गए, जो रोनाल्डो से एक अधिक है। लिवरपूल ने नौ खिलाड़ियों के साथ खेल रही टॉटेनहम की टीम को 2-1 से हराया जबकि चेल्सी ने दो गोल से पिछड़ने के बाद न्यूकैसल के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला।

लियोनेल मेस्सी का भारत दौरा भारतीय फुटबॉल के लिए फायदेमंद होगा या नहीं

मुम्बई (एजेंसी)। दुनिया के महानतम फुटबॉलरों में शुमार लियोनेल मेस्सी का भारत आगमन महज एक भव्य आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय फुटबॉल के लिए संभावनाओं से भरा अवसर माना जा रहा है। उनकी मौजूदगी से खेल को वैश्विक मंच पर पहचान मिली और युवा खिलाड़ियों में उत्साह भी देखने को मिला। हालांकि बड़ा सवाल यही है कि क्या यह दौरा भारतीय फुटबॉल के भविष्य में कोई ठोस बदलाव ला पाएगा।

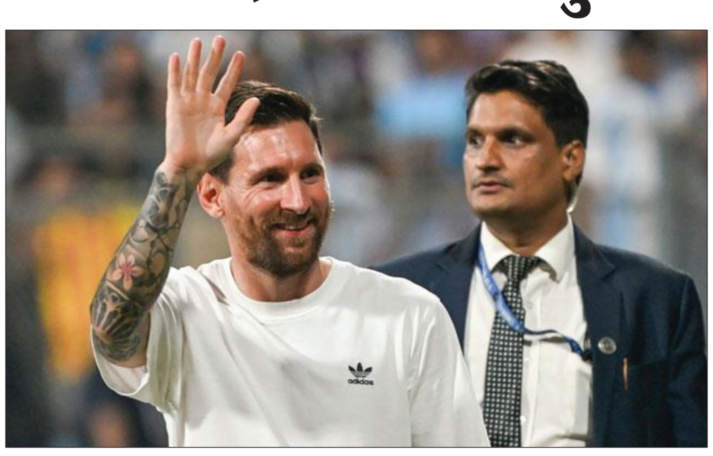

मैच या प्रशिक्षण से बन सकता था दौरा ज्यादा प्रभावी

अगर यह दौरा फुटबॉल के वास्तविक विकास को ध्यान में रखकर होता, तो मेस्सी का भारतीय राष्ट्रीय टीम या किसी स्थानीय क्लब के खिलाफ मुकाबला खेलना ज्यादा सार्थक होता। 1977 में पेले द्वारा मोहन बागान के खिलाफ खेला गया ऐतिहासिक मैच आज भी याद किया जाता है। इसके अलावा, किसी फुटबॉल अकादमी का दौरा, युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देना या वंचित बच्चों से मुलाकात इस यात्रा को खेल और समाज–दोनों के लिए उपयोगी बना सकती थी।

कमजोर दौर से गुजर रहा है भारतीय फुटबॉल

मेस्सी का दौरा ऐसे समय हुआ जब भारतीय फुटबॉल कठिन दौर से गुजर रहा है। नवंबर 2025 की फीफा रैंकिंग में भारतीय पुरुष टीम 142वें स्थान पर है। वहीं, इंडियन सुपर लीग (ISL) के भविष्य, ढांचे और स्थिरता को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है।

खेल से ज्यादा दिखी मार्केटिंग

यह दौरा फुटबॉल से अधिक मार्केटिंग केंद्रित नजर आया। भारत को एक बड़े बाजार के रूप में देखते हुए यह यात्रा इंटर मियामी के प्रचार और अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप को लेकर उत्साह पैदा करने तक सीमित रही। कई ऐसे लोग भी मेस्सी के साथ फोटो खिंचवाने को उत्साहित दिखे, जिनका खेल से सीधा कोई संबंध नहीं था।

क्रिकेट बैट भेंट करना बना चर्चा का विषय

दौरे के दौरान कुछ अजीब दृश्य भी सामने आए। ICC अध्यक्ष जय शाह द्वारा मेस्सी को भारतीय क्रिकेट टीम के हस्ताक्षर वाला बैट भेंट करना सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना। फुटबॉल से जुड़े इस दौरे में क्रिकेट प्रतीकों की मौजूदगी पर सवाल भी उठे।

मजबूत फुटबॉल संस्कृति की दरकार

भारत को एक मजबूत फुटबॉल राष्ट्र बनने के लिए जमीनी स्तर पर काम करना होगा। इसके लिए माता-पिता का सहयोग, स्कूलों में बेहतर खेल ढांचा और शिक्षा प्रणाली में खेल को पर्याप्त महत्व देना बेहद जरूरी है।

आईएसएल की संरचनात्मक चुनौतियां

आईएसएल के शुरुआती दो सत्र सफल जरूर रहे, लेकिन प्रमोशन और रेलिगेशन सिस्टम की कमी ने प्रतिस्पर्धा को कमजोर किया। साथ ही विदेशी स्ट्राइकरों पर अधिक निर्भरता के चलते भारतीय फॉरवड्र्स का विकास प्रभावित हुआ, जिसका असर राष्ट्रीय टीम पर साफ दिखता है।

खिलाड़ियों की उपलब्धता और 'इंडियन एरोज़' पहल

राष्ट्रीय टीम के लिए एक और बड़ी समस्या यह है कि क्लब अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के दौरान खिलाड़ियों को रिलीज नहीं करते। ऐसे में एआईएफएफ की 'इंडियन एरोज़' पहल अहम साबित हुई, जिसने वैकल्पिक प्रतिभाओं का मजबूत पूल तैयार किया।

भव्य आयोजन, लेकिन सीमित असर

कुल मिलाकर, लियोनेल मेस्सी का भारत दौरा भले ही भव्य, चर्चित और ग्लैमर से भरपूर रहा हो, लेकिन भारतीय फुटबॉल को इससे कोई स्थायी लाभ मिलता नजर नहीं आया। जब तक जमीनी स्तर पर संरचनात्मक सुधार और मजबूत खेल संस्कृति विकसित नहीं होती, तब तक ऐसे बड़े दौरे सिर्फ सुर्खियों और उत्साह तक ही सीमित रहेंगे।

सैमसन का अंदर-बाहर होते रहने पर छलका दर्द

मुम्बई। भारतीय टीम से अंदर-बाहर होते रहे विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंतिम टी20 मैच में अच्छी बल्लेबाजी कर साबित किया है कि सलामी बल्लेबाज के तौर पर ही वह बेहतर बल्लेबाजी करते हैं। सैमसन को शुरुआती चार मैचों में जगह नहीं मिली थी। शुभमन गिल की वापसी के बाद उन्हें पारी की शुरुआत से हट दिया गया था जिसपर काफी सवाल भी उठे थे। वहीं उनकी टीम में जगह पक्की न होने को लेकर तर्क दिया जाता रहा है कि उनके खेल में निरंतरता की कमी रही है। शुभमन के चोटिल होने के कारण उन्हें अंतिम मैच में शामिल किय गया। वहीं समय-समय पर सैमसन ने टीम में जगह नहीं मिलने पर अपनी निराशा भी जाहिर की है। इरफान पठान से बातचीत के दौरान सैमसन का दिल् का गुब्बार निकल या। . इस दौरान सैमसन ने कहा कि लगातार अंदर-बाहर होने से उनका हौंसला टूटा है। पठान ने उनसे पूछा, 'आप जब मैच नहीं खेल रहे थे तो मजे के लिए क्या कर रहे थे?' इसके जवाब में सैमसन ने कहा, 'मजे के लिए इंतजार कर रह था बस। आप जानते हो इरफान भाई चयन के लिए हम ज्यादा कुछ नहीं कर नहीं सकते हैं। बस ट्रेनिंग करो और खुश रहो, जितना हो सकता है अपनी भागीदारी निभाओ।' वहीं जब पठान ने पूछा कि 'जब आप नहीं खेल रहे थे तो टीम प्रबंधन आपके से क्या बात कर रही थी और कितना बात कर रही थी।' इसपर सैमसपन ने कहा, 'टीम का माहौल बहुत महत्वपूर्ण रहता है। हमारे लीडरशिप ग्रुप में कप्तान सूर्यकुमार और कोच गौतम गंभीर के साथ मेरा बहुत अच्छा संबंध है इसलिए संपर्क हमेशा रहा है। इसपर इरफान ने पूछा कि ऐसे में उम्मीद है कि हम आपको अब लगातार पारी शुरु करते देखेंगे। इसप सैमसन ने हंसते हुए कहा कि ऐसा पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में आम चुनाव कानून में संशोधन, जारी हुआ अध्यादेश

काठमांडू, एजेंसी। पाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शुक्रवार को आम चुनाव से जुड़े प्रावधानों में संशोधन के लिए एक अध्यादेश जारी किया। यह अध्यादेश प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) के आगामी चुनावों को ध्यान में रखकर लाया गया है। इससे पहले 12 सितंबर को राष्ट्रपति पौडेल ने प्रतिनिधि सभा चुनाव की तारीख 5 मार्च 2026 घोषित की थी। राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार, प्रतिनिधि सभा चुनाव (पहला संशोधन) अध्यादेश का उद्देश्य आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत सीटों के आवंटन को वर्ष 2021 की नवीनतम जनगणना के आधार पर तय करना है। 2021 की जनगणना के मुताबिक, नेपाल की कुल जनसंख्या 2 करोड़ 91 लाख 64 हजार 578 है।

पलमायरा में हुए हमले को आईएस ने बताया गंभीर चोट

पलमायरा, एजेंसी। इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने अपने टेलीग्राम चैनल पर सीरिया के प्राचीन शहर पलमायरा में अमेरिकी पेंटागन कर्मियों की मौत को अमेरिका और उसके समर्थित सीरियाई गुटों पर चोट बताया है। बीते शनिवार एक हमलावर ने अमेरिकी और सीरियाई बलों के काफिले को निशाना बनाया था। इसमें दो अमेरिकी सैनिक और एक दुभाषिया मारे गए थे, जबकि तीन सैनिक घायल हुए। हमलावर को मौके पर ही मार दिया गया।

ब्राजील संसद ने बोलसोनोरो के बेटे एडुआर्डो को पद से हटाया

ब्राज़िलिया, एजेंसी। ब्राजील की संसद ने पूर्व राष्ट्रपति जाइर बोलसोनारो को बड़ा झटका देते हुए उनके बेटे एडुआर्डो बोलसोनारो और पूर्व खुफिया प्रमुख अलेक्जांद्रे रामाजेम को सांसद पद से हटा दिया। हाउस स्पीकर ह्यूगो मोट्टा के जारी आदेश संसद के जर्नल में प्रकाशित किया गया। एडुआर्डो बोलसोनारो फरवरी में टेक्सास जाने के बाद से इस साल 80 फीसदी से अधिक सत्रों में अनुपस्थित रहे, जो सदन के नियमों का स्पष्ट रूप से उल्लंघन है। वह खुद को राजनीतिक उत्पीड़न का शिकार बताते हुए अमेरिका में ट्रंप प्रशासन से अपने पिता की सजा बदलवाने की कोशिश करते रहे हैं।

गाजा में इस्राइली गोलीबारी, बच्चे समेत 5 फलस्तीनी मारे गए ; युद्धविराम पर फिर संकट

गाजा , एजेंसी। गाजा पट्टी के उत्तरी हिस्से में शुक्रवार को इस्राइली सेना की गोलीबारी में कम से कम पांच फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई, जिनमें एक नवजात बच्चा भी शामिल है। स्थानीय अस्पताल के अनुसार यह घटना गाजा सिटी के पूर्वी इलाके तुफ्फाह में हुई, जहां घायल और मृतकों को शिफा अस्पताल लाया गया। शिफा अस्पताल के निदेशक रामी महन्ना ने बताया कि गोलीबारी में पांच लोगों की जान चली गई। वहीं इस्राइली सेना का कहना है कि उसके जवानों ने येलो लाइन के पश्चिम में कुछ संदिग्ध लोगों की पहचान की थी, जिसके बाद फायरिंग की गई। सेना ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और निर्दोष लोगों को नुकसान पहुंचने पर उसे खेद है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस युद्ध में अब तक 70 हजार से ज्यादा फलस्तीनी मारे जा चुके हैं, जिनमें करीब आधे महिलाएं और बच्चे हैं। हालांकि मंत्रालय लड़ाकों और आम नागरिकों में अलग-अलग आंकड़े नहीं देता। अंतरराष्ट्रीय समुदाय आमतौर पर उसके आंकड़ों को विश्वसनीय मानता है। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्य-पूर्व दूत स्टीव विटकॉफ ने गाजा युद्धविराम को आगे बढ़ाने के लिए मध्य-पूर्वी देशों के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की योजना बनाई है। बातचीत का मकसद युद्धविराम के दूसरे और ज्यादा जटिल चरण को आगे बढ़ाना बताया जा रहा है।

भीख मांगने पर हजारों पाकिस्तानी निर्वासित

इस्लामाबाद, एजेंसी। भीख मांगने के आरोप में हजारों पाकिस्तानियों को विभिन्न देशों से निर्वासित किया गया है, जबकि इस साल हजारों लोगों को हवाई अड्डों पर अवैध यात्रा के संदेह में रोका गया। आगा रफीउल्लाह की अध्यक्षता में ओवरसीज के सत्र में एफआईए महानिदेशक ने प्रवर्तन कार्रवाइयों पर कहा, इस साल सऊदी अरब ने भीख मांगने के आरोप में 24000 लोगों को वापस भेजा।

सिंगापुर से बांग्लादेश लाया गया उस्मान हादी का शव, अंतिम संस्कार भी बन गया बड़ी चुनौती

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के नेता उस्मान हादी की मौत के बाद से ही बांग्लादेश जल रहा है। कानून व्यवस्था की चुनौती के बीच शुक्रवार को उस्मान हादी का शव सिंगापुर से ढाका लागा गया है। शनिवार को ही उस्मान हादी को सुपुर्द-ए-खाक किया जा सकता है। हालांकि बांग्लादेश की सरकार के लिए यह बड़ी चुनौती है। देश में आक्रोश अभी थमा नहीं है और उपद्रव का आशंका बनी हुई है। युवा नेता शरीफ उस्मान हादी को छह दिन पहले गोली मार दी गयी थी। वह जुलाई में सरकार के विरूद्ध हुए हिंसक प्रदर्शनों में एक प्रमुख चेहरा थे।

पुलिस के अनुसार, हादी का शव सिंगापुर से ढाका पहुंचने के कुछ ही समय बाद, कथित कट्टरपंथी दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं ने राजधानी में वामपंथी विचारधारा वाली उदिची शिल्पीगोष्ठी के मुख्य कार्यालय में आग लगा दी। दमकल कर्मियों ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। उदिची के कार्यालय के सामने बड़ी संख्या में पुलिस, बीजीबी और सेना के जवान तैनात हैं।

देश के विभिन्न हिस्सों में गुरुवार रात हमले और तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं जिनमें चट्टगांव में भारतीय सहायक उच्चायुक्त के आवास पर पथराव भी शामिल है। ये घटनाएं मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस द्वारा टेलीविजन पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए हादी की मौत की पुष्टि करने के बाद हुईं।

कड़ी सुरक्षा के बीच लाया गया शव : इंकलाब मंच के प्रवक्ता हादी का शव कड़ी सुरक्षा और व्यापक जन शोक के बीच विमान बांग्लादेश एयरलाइंस की उड़ान से स्थानीय समयानुसार शाम लगभग छह बजे हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एचएसआईए) पर लाया गया। यह जानकारी सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने बिमान के महाप्रबंधक (जनसंपर्क) बोशरा इस्लाम के हवाले से दी। एजेंसी के अनुसार, हादी के शव को हवाई अड्डे से बाहर ले जाते समय सुरक्षा बनाए रखने के लिए बांग्लादेश सेना, सशस्त्र बल बटालियन (एएफबी) और पुलिस के सदस्यों को बड़ी संख्या में तैनात किया गया था। बीएसएस ने बताया कि सिंगापुर जनरल अस्पताल में हादी की मौत से राजनीतिक हलकों, इंकलाब मंच के कार्यकर्ताओं और आम जनता में व्यापक शोक की लहर दौड़ गई।

युनूस ने शनिवार को एक दिन की राजकीय शोक की घोषणा की है। मुख्य सलाहकार की प्रेस शाखा के अनुसार, हादी की जनाजे की नमाज शनिवार को दोपहर दो बजे संसद के साउथ प्लाजा में अदा की जाएगी। उसमें शामिल होने के इच्छुक लोगों से विशेष अनुरोध किया गया है कि वे अपने साथ कोई बैग या भारी सामान न लाएं। इंकलाब मंच ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''परिवार की इच्छा के अनुसार, हादी को राष्ट्रीय कवि काजी नजरुल इस्लाम

की कब्र के बगल में दफनाने का फैसला लिया गया है। पार्टी ने यह भी घोषणा की कि शव को सार्वजनिक रूप से देखने की अनुमति नहीं होगी। उसने लोगों से शांति बनाए रखते हुए हादी के लिए प्रार्थना करने का अनुरोध किया। गुरुवार को युनूस की घोषणा के शीघ्र बाद प्रदर्शनकारियों ने प्रमुख समाचार पत्रों के कार्यालयों पर हमला किया, 32 धानमंडी में तोड़-फोड़ की और राजशाही सिटी में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की भंग हो चुकी पार्टी आवामी लीग के एक कार्यालय को भी ध्वस्त कर दिया। बांग्लादेश की स्वतंत्रता से पहले, दशकों तक स्वाधीनता के लिए संघर्ष का केंद्र रहे 32 धानमंडी को इस साल पांच फरवरी को बुल्डोजरों से ध्वस्त कर दिया गया था। इससे पहले पांच अगस्त 2024 को उस समय की आवामी लीग सरकार के पतन के बाद मुजीबुर्रहमान के आवास को आग भी लगा दी गई थी। चट्टगांव में प्रदर्शनकारियों ने भारतीय सहायक उच्चायुक्त के आवास पर बृहस्पतिवार और शुक्रवार देर रात 1:30 बजे पथराव भी किया। हालांकि इससे कोई नुकसान नहीं हुआ। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस छोड़ी एवं लाठीचार्ज किया।

वरिष्ठ अधिकारियों ने सहायक उच्चायुक्त की सुरक्षा का आश्वासन दिया है। ढाका में, प्रदर्शनकारियों ने प्रमुख सांस्कृतिक समूह 'छाया नाट' के कार्यालय पर हमला किया और फर्नीचर बाहर निकाल कर आग लगा दी। देश के अन्य हिस्सों से भी हिंसा की खबरें हैं। मैमनसिंह में ईशनिंदा के आरोप में एक हिंदू व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई और उसके शव को आग लगा दी गई। 'बांग्ला ट्रिब्यून' समाचार पोर्टल के अनुसार मृत व्यक्ति की पहचान दीपू चंद्र दास (25) के रूप में हुई, जो मैमनसिंह शहर में एक कारखाने में काम करते थे। अंतरिम सरकार ने शुक्रवार को एक बयान में इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि नए बांग्लादेश में ऐसी हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। बयान में कहा गया, 'इस जघन्य अपराध के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।' स्थानीय मीडिया रिपोर्टों और सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में दिखाया गया कि सिंगापुर से विमान के ढाका में उतरने के बाद हादी के समर्थक हवाई अड्डे से शाहबाग तक सड़क के दोनों ओर कतार में खड़े थे।

उनके पार्थिव शरीर को ढाका विश्वविद्यालय की केंद्रीय मस्जिद में सार्वजनिक सभा के लिए ले जाया जाना था। पिछले सप्ताह ढाका के बिजोयनगर इलाके में अपना चुनाव प्रचार शुरू करते समय हादी को नकाबपोश बंदूकधारियों ने सिर में गोली मार दी थी। छह दिनों तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद सिंगापुर के एक अस्पताल में इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। गुरुवार रात को, जुलाई विद्रोह का नेतृत्व करने वाले और हसीना के नेतृत्व वाली सरकार को सत्ता से बेदखल करने वाले 'स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन (एसएडी)' के एक बड़े सहयोगी संगठन, नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) ने ढाका विश्वविद्यालय परिसर में शोक जुलूस में भाग लिया। इस समूह के समर्थकों ने भारत विरोधी नारे लगाते हुए आरोप लगाया कि हादी के हमलावर हत्या करने के बाद भारत भाग गए।

नेपाल : राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामिछाने रिहा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के सभापति रवि लामिछाने शुक्रवार शाम रुपनदेही जिला अदालत से जमानत पर रिहा हो गए। तुलसीपुर हाईकोर्ट के आदेश पर कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के लिए वह शाम 5:37 बजे अदालत पहुंचे। अदालत के सूचना अधिकारी पदम अर्याल ने बताया, बुटवल पीठ के आदेशानुसार कुछ शर्तों और बैंक जमानत के कागजात जमा करने के बाद उन्हें रिहा किया गया। लामिछाने बुटवल स्थित सुप्रीम सहकारी संस्था से जुड़े ठगी और संगठित अपराध के मामले में विचाराधीन कैदी के रूप में जेल में बंद थे। उन्हें 2.74 करोड़ रुपये की जमानत राशि जमा करने के बाद रिहाई मिली।

भ्रष्टाचार मामले में पूर्व पीएम इमरान खान और पत्नी बुशरा बीबी को 17-17 साल की जेल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की एक अदालत ने भ्रष्टाचार के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को दोषी ठहराते हुए दोनों को 17-17 साल की सजा सुनाई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फैसला लंबे समय से चल रहे केस में सुनाया गया है।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया की हालत अब स्थिर

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की चेयरपर्सन खालिदा जिया की स्वास्थ्य स्थिति अब अधिक स्थिर है। उनकी निजी चिकित्सक एजेडएम जाहिद हुसैन ने शुक्रवार को कहा कि उनकी हालत में अब कोई गिरावट नहीं आई है। खालिदा जिया 23 नवंबर से ढाका के एवरकेयर हॉस्पिटल में विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उपचाराधीन हैं और बाद में उन्हें कोरोनरी केयर यूनिट में शिफ्ट किया गया था। 11 दिसंबर को उन्हें फेफड़ों और अन्य महत्वपूर्ण अंगों को आराम देने के लिए वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था।

डॉक्टर हुसैन ने कहा कि पिछले महीने में उनकी शारीरिक स्थिति काफी स्थिर रही है। शुक्रवार को उनका एक छोटा चिकित्सीय उपचार भी सफलतापूर्वक

किया गया, जिसे उन्होंने आसानी से स्वीकार कर लिया। उनके बेटे और ब्नह्क्क के कार्यवाहक अध्यक्ष तरीक रहमान 25 दिसंबर को लंदन से लौटेंगे, जिससे उनके 17 वर्षों के स्वदेश से निर्वासन का अंत होगा।

पाकिस्तान में फिर आतंकी हमला, सुसाइड बॉम्बर ने मिलिट्री पोस्ट को उड़ाया; 4 सैनिक मरे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी इलाके उत्तर वजीरिस्तान में शुक्रवार को एक बड़ा आतंकी हमला हुआ। सुसाइड कार बॉम्बर और तीन बंदूकधारियों ने एक गांव के पास स्थित सैन्य चौकी पर हमला किया, जिसके बाद घंटों चली गोलीबारी में चार पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। इस हमले में कम से कम 15 नागरिक घायल हो गए, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। पाकिस्तानी सेना और स्थानीय पुलिस के अनुसार, यह इलाका खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आता है, जो अफगानिस्तान की सीमा से सटा हुआ है और अतीत में पाकिस्तानी तालिबान तथा अन्य उग्रवादी संगठनों का गढ़ रहा है। पुलिस ने बताया कि धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास के कई मकान ढह गए, जिससे स्थानीय नागरिकों को गंभीर चोटें आईं। सेना के बयान में कहा गया कि सभी हमलावरों को सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ के दौरान मार गिराया। सेना के मुताबिक, हमलावरों ने पहले चौकी की सुरक्षा घेराबंदी तोड़ने की कोशिश की, लेकिन असफल रहने पर विस्फोटकों से लदी एक गाड़ी को चौकी की बाहरी दीवार से टकरा दिया। इस विस्फोट से पास के घरों और एक मस्जिद को भी नुकसान पहुंचा। हालांकि किसी भी संगठन ने तुरंत हमले की जिम्मेदारी नहीं ली, लेकिन पाकिस्तानी सेना ने इस हमले के लिए तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को जिम्मेदार ठहराया है। सेना का दावा है कि इस हमले की योजना अफगान सीमा के उस पार बनाई गई और वहीं से इसे निर्देशित किया गया। इस पर अफगानिस्तान की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। अफगान तालिबान लंबे समय से यह कहते रहे हैं कि वे किसी भी देश के खिलाफ अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं होने देते, जिसमें पाकिस्तान भी शामिल है। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि पाकिस्तान को उम्मीद है कि अफगानिस्तान के तालिबान शासक अपने क्षेत्र से आतंकियों को पाकिस्तान पर हमले करने से रोकेंगे। साथ ही यह भी कहा कि पाकिस्तान को आतंकियों और उनके मददगारों के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित है। हमले के कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तान का विदेश मंत्रालय सक्रिय हुआ। मंत्रालय ने इस्लामाबाद में अफगान तालिबान के उप-मिशन प्रमुख को तलब कर औपचारिक विरोध दर्ज कराया। मंत्रालय के बयान में कहा गया कि पाकिस्तान ने अफगान भूमि से संचालित आतंकवादी हमलों के दोषियों और मददगारों के खिलाफ पूर्ण जांच और निर्णायक कार्रवाई की मांग की है। बयान में यह भी कहा गया कि अफगान तालिबान से यह अपेक्षा की गई है कि वह अपने क्षेत्र में सक्रिय सभी आतंकवादी समूहों के खिलाफ ठोस, तत्काल और सत्यापन योग्य कदम उठाए तथा पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवाद के लिए अफगान जमीन के इस्तेमाल को पूरी तरह रोके। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव हाल के महीनों में बढ़ा है। अक्टूबर में सीमा पर झड़पें हुई थीं, जब काबुल में 9 अक्टूबर को हुए विस्फोटों के लिए अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया था। बाद में कतर की मध्यस्थता से युद्धविराम तो हुआ, लेकिन नवंबर में तुर्की में हुई बातचीत में दोनों देश किसी ठोस समझौते पर नहीं पहुंच सके।

ताइवान में भीड़ पर चाकू से हमला, 4 लोगों की मौत कई घायल

ताइपे , एजेंसी। ताइवान की राजधानी ताइपे में शुक्रवार को एक युवक ने भीड़ भरे इलाके में लोगों पर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में चार लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। हमलावर ने लोगों में डर फैलाने के लिए स्मोक ग्रेनेड भी फेंके। यह हमला ताइपे मेन स्टेशन से शुरू हुआ, जो शहर का सबसे व्यस्त रेलवे और मेट्रो स्टेशन है। शाम के समय जब वहां बहुत भीड़ थी, तभी युवक ने स्टेशन के अंदर स्मोक बम फेंका और फिर पास के झोंगशान इलाके की ओर भाग गया। वहां उसने सड़क और एक शॉपिंग मॉल में लोगों पर चाकू से हमला किया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हर तरफ धुआं और अफरा-तफरी मच गई थी। लोग जान बचाकर इधर-उधर भाग रहे थे। पास की दुकानों और रेस्टोरेंट में लोग छिप गए। एक स्थानीय निवासी ने बताया कि माहौल बहुत डरावना था और

सांस लेना भी मुश्किल हो रहा था। पुलिस ने हमलावर का पीछा किया। इसी दौरान वह एक इमारत से गिर गया और उसकी भी मौत हो गई। ताइपे के मेयर ने बताया कि मरने वालों में से एक व्यक्ति ने स्टेशन के अंदर हमलावर को रोकने की कोशिश की थी। पुलिस के मुताबिक हमलावर 27 साल का था और ताओयुआन इलाके का रहने वाला था। वह पहले वायुसेना में काम कर चुका था, लेकिन 2022 में उसे नौकरी से हटा दिया गया था। अधिकारियों ने कहा कि उसके खिलाफ पहले से कुछ मामले दर्ज थे। हमले के पीछे उसका मकसद अभी साफ नहीं हो पाया है।

अमेरिका का सीरिया में 'ऑपरेशन हॉकआई':70 से ज्यादा आईएसआईएस ठिकाने तबाह किए

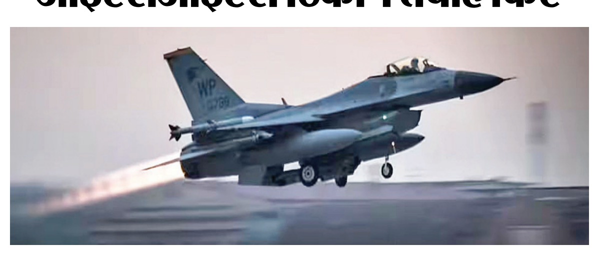

दमिश्क, एजेंसी। अमेरिका ने शुक्रवार को सीरिया में आतंकी संगठन आईएसआईएस से जुड़े 70 ठिकानों पर हवाई हमले कर उन्हें तबाह कर दिया। अमेरिकी अधिकारियों ने सीएनएन को बताया कि यह कार्रवाई हाल ही में हुए उस हमले के जवाब में की गई जिसमें सीरिया में तैनात अमेरिका के दो सैनिक और एक ट्रांसलेटर मारे गए थे। इस मिलिट्री ऑपरेशन को 'ऑपरेशन हॉकआई' नाम दिया गया है। यह नाम इसलिए रखा गया क्योंकि मारे गए सैनिक अमेरिका के आयोवा राज्य से थे, जिसे 'हॉकआई स्टेट' कहा जाता है। अधिकारियों के मुताबिक जिन ठिकानों को निशाना बनाया गया उनमें आतंकियों के ठहरने की जगह, हथियार रखने के गोदाम और दूसरी जगह शामिल हैं। ट्रम्प ने हमले पर रिएक्शन देते हुए कहा कि उन्होंने अपना वादा पूरा किया।

अमेरिकी रक्षा मंत्री बोले- ये बदले की कार्रवाई है : अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इन हमलों को बदले की कार्रवाई बताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि यह किसी नए युद्ध की शुरुआत नहीं है, बल्कि उन लोगों के खिलाफ जवाब है जिन्होंने अमेरिकी सैनिकों को मारा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की लीडरशिप में अमेरिका अपने लोगों की रक्षा से कभी पीछे नहीं हटेगा। यह पूरा मामला 13 दिसंबर को शुरू हुआ, जब सीरिया में एक हमले में अमेरिका के दो सैनिक और उनके साथ काम कर रहा एक लोकल ट्रांसलेटर मारा गया था। इसके बाद अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने कई छोटे ऑपरेशन चलाए, जिनमें करीब 23 लोगों को मार गिराया गया या गिरफ्तार किया गया। इन ऑपरेशन के दौरान इलेक्ट्रॉनिक सामान से अहम जानकारियां मिलीं, जिनके आधार पर अब यह बड़ा हवाई हमला किया गया।

ट्रम्प बोले- अमेरिका हमलावरों को जवाब दे रहा : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि सीरिया में अमेरिकी सैनिकों की हत्या के बाद अब अमेरिका आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रहा है। ट्रम्प ने बताया कि इस हफ्ते मारे गए बहादुर सैनिकों के शव पूरे सम्मान के साथ अमेरिका लाए गए और उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने जो वादा किया था, उसे पूरा करते हुए अमेरिका अब उन आतंकियों को करारा जवाब दे रहा है, जो इस हमले के जिम्मेदार हैं।? अमेरिकी सेना सीरिया में आईएसआईएस के ठिकानों पर हमला कर रही है। ट्रम्प ने कहा कि सीरिया ने लंबे समय से बहुत खून-खराबा और हिंसा देखी है।

एपस्टीन सेक्स स्कैंडल में सबसे बड़ा खुलासा:लड़कियों के साथ हॉट-टब में नहाते दिखे क्लिंटन

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी जांच के तहत शुक्रवार रात ढाई बजे (भारतीय समय के मुताबिक) तीन लाख दस्तावेज जारी कर दिए हैं। इनमें अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, पॉप सिंगर माइकल जैक्सन, हॉलीवुड एक्टर क्रिस टकर, ब्रिटिश प्रिंस एंड्रयू जैसे दिग्गजों की तस्वीरें सामने आई हैं। कुछ फोटोज में क्लिंटन लड़कियों के साथ पूल में नहाते और पार्टी करते नजर आ रहे हैं। पहले ये सभी तस्वीरें 4 सेट में जारी की गईं। इसके कुछ घंटे बाद 1 और सेट जारी किया गया।

इसमें कुल मिलाकर 3,500 से अधिक फाइलें हैं, जिनमें 2.5 जीबी से ज्यादा तस्वीरें और दस्तावेज शामिल हैं। हालांकि कई तस्वीरों में यह साफ नहीं है कि ये कहां ली गई हैं। इन खुलासों का असर कितना बड़ा होगा, यह अभी साफ नहीं है। वजह यह है कि दस्तावेजों की संख्या बहुत ज्यादा है और एपस्टीन से जुड़ी काफी तस्वीरें पहले भी सामने आ चुकी है। जस्टिस डिपार्टमेंट ने यह भी कहा है कि कुछ दस्तावेज अभी रोके गए हैं, क्योंकि कुछ जांचें चल रही हैं या फिर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कारण हैं।

जेफ्री एपस्टीन एक फाइनेंसर और दोषी यौन अपराधी था, उसकी जेल में मौत हो गई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 18 नवंबर को कानून पर दस्तखत कर एपस्टीन से जुड़े सभी दस्तावेजों को 30 दिन के भीतर जारी करने का आदेश दिया था।

ट्रम्प के आदेश पर जारी हुए दस्तावेज : जेफ्री एपस्टीन एक यौन अपराधी था, उसकी जेल में मौत हो गई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 18 नवंबर को कानून पर दस्तखत कर एपस्टीन से जुड़े सभी दस्तावेजों को 30 दिन के भीतर जारी करने का आदेश दिया था। 19 दिसंबर तक 30 दिन की समय सीमा पूरी हो गई।

एपस्टीन पीड़ित का आरोप- न्याय विभाग खुद को बचा रहा : जेफ्री एपस्टीन की एक पीड़िता लीसा फिलिप्स ने अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। लीसा फिलिप्स ने बताया कि जब उनकी उम्र 20 के आसपास थी, तब उनकी मुलाकात एपस्टीन से हुई थी। इसके बाद उन्हें एपस्टीन और उसके नेटवर्क से जुड़े लोगों की ओर से सालों तक शोषण झेलना पड़ा। सीएनएन की पत्रकार कैटलिन कॉलिन्स से बातचीत में लीसा फिलिप्स ने कहा कि एपस्टीन फाइल्स के कई हिस्सों को काला (रेडैक्ट) करके जारी किया गया है। लीसा के मुताबिक कि न्याय विभाग पीड़ितों के बजाय खुद को बचाने की कोशिश कर रहा है। लीसा ने कहा, 'मुझे लगता है कि उनके पास इतनी जानकारी है, जिससे सारी कड़ी जोड़ी जा सकती हैं और पीड़ितों को न्याय मिल सकता है। लेकिन जैसा आप देख रहे हैं, मामला बार-बार टाला जा रहा है। एपस्टीन फाइल्स को लेकर अटॉर्नी जनरल पर महाभियोग की तैयारी भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहे हैं। रो खन्ना ने एपस्टीन फाइल्स से जुड़े उस कानून को तौर पर तैयार किया था, जिसके तहत सभी फाइलें सार्वजनिक की जानी थीं। खन्ना का आरोप है कि न्याय विभाग ने कानून के बावजूद एपस्टीन से जुड़ी सभी फाइलें जारी नहीं कीं। उन्होंने कहा कि जो दस्तावेज आज जारी किए गए हैं, उनसे वह निराश हैं। पीड़ित बोली- जारी किए गए फाइल्स काफी हैवी, सर्च करना मुश्किल एपस्टीन की शुरुआती पीड़ितों में से एक जेस माइकल्स ने कहा, 'न्याय विभाग फाइल जारी करने में भ्रष्टाचार और देरी से साबित कर रहे हैं कि वो कुछ छुपा रहे हैं।' जेस माइकल्स ने बताया कि 1991 में जब वे 22 साल की थीं और डांसर बनने की ट्रेनिंग ले रही थीं, तब एपस्टीन ने उनका यौन शोषण किया था। वे उन पीड़ितों में शामिल थीं जिन्होंने द्विदलीय कानून के लिए लॉबी की थी। इसके तहत न्याय विभाग को एपस्टीन और उसकी मुख्य साथी मैक्सवेल की सेक्स तस्करी जांच की लगभग सभी फाइलें जारी करनी थीं। लेकिन शुक्रवार को जारी 13,000 से ज्यादा फाइलें काफी हैवी है और आसानी से सर्च नहीं की जा सकतीं। एक अन्य पीड़िता मारीजके चार्टौनी ने कहा, 'सब कुछ एडिट कर दिया गया है, तो पारदर्शिता कहां है?' उन्होंने बताया कि 20 साल की उम्र में एपस्टीन ने उनका यौन शोषण किया था।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

केंद्रीय मंत्री शेखावत बोले– एसआईआर का विरोध करने वाले हैं खुद कंफ्यूज

जोधपुर (एजेंसी)। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत रविवार को मुंबई से जोधपुर पहुंचे। एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने गोवा में आयोजित हालिया कला उत्सव की सराहना की। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की तरह इस बार भी यह अनूठा कला उत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उत्सव में प्रस्तुत कार्यक्रमों ने दर्शकों को खासा प्रभावित किया और कला प्रेमियों को भावविभोर कर दिया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला बोला। शेखावत ने कहा कि जो लोग आज एसआईआर का विरोध कर रहे हैं, वे ही कुछ समय पहले इसकी मांग कर रहे थे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि विरोध करने वालों को खुद यह स्पष्ट नहीं है कि वे किस बात का विरोध कर रहे हैं। केवल विपक्ष में होने के कारण विरोध करना ही उन्होंने अपनी राजनीतिक जिम्मेदारी समझ ली है। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा, कुछ ऐसे लोग भी हैं जो थोड़े दिन पहले तक एसआईआर लागू करने की मांग कर रहे थे और अब उसी प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं। यह दर्शाता है कि वे खुद कंफ्यूज हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार और चुनाव आयोग पूरी पारदर्शिता के साथ काम कर रहे हैं और हर कदम लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है। संसद में विपक्ष के लगातार विरोध और हंगामे को लेकर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा, कि संसद देश की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था है, जहां जनकल्याणकारी योजनाओं और नीतियों को धरातल पर उतारने को लेकर सार्थक चर्चा होनी चाहिए। दुर्भाग्य से कुछ लोग संसद को चर्चा का मंच बनाने के बजाय अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति का अखाड़ा बना देते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष का यह रवैया न तो लोकतंत्र के हित में है और न ही जनता के। सरकार की प्राथमिकता देश के विकास और आम नागरिकों के हितों को आगे बढ़ाने की है, जबकि चुनाव आयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहा है।

ढाई दर्जन मामलों में वांछित एक लाख का ईनाम बदमाश सिराज अहमद एनकाउंटर में ढेर

सुल्तानपुर (एजेंसी)। लगभग ढाई दर्जन अपराधों में वांछित और यूपी के सुल्तानपुर के बहुचर्चित अधिवक्ता आजाद हत्याकांड में डेढ़ साल से फरार चल रहे बदमाश सिराज अहमद को एसटीएफ ने मुठभेड़ में मार गिराया। उस पर एक लाख का इनाम रखा हुआ था। यह मुठभेड़ सहारनपुर के गंगोह थाना क्षेत्र में हुई। इस दौरान गोली लगने से सिराज गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, सिराज अहमद का आपराधिक इतिहास बेहद लंबा है। उसके खिलाफ उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में हत्या, हत्या के प्रयास और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) जैसी गंभीर धाराओं में करीब 30 मुकदमे दर्ज हैं। एसटीएफ और स्थानीय पुलिस अब उससे पूछताछ कर उसके नेटवर्क और अन्य फरार आरोपियों की जानकारी जुटा रही है। एसपी कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि सिराज अहमद के सहारनपुर में मुठभेड़ के दौरान घायल होने की जानकारी मिली है। पकड़ा गया बदमाश सिराज अहमद, सुल्तानपुर जिले के कोतवाली नगर क्षेत्र के लोलेपुर गांव का रहने वाला है। एसटीएफ टीम को शनिवार की रात सूचना मिली कि सिराज किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में पंजाब–हरियाणा बॉर्डर से होकर सहारनपुर जिले में मौजूद है। सूचना पर टीम ने गंगोह क्षेत्र में घेराबंदी की। खुद को घिरता देख सिराज ने टीम पर फायरिंग करने लगा। जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से वह घायल हो गया। अस्पताल में मौत हो गई।

इंडिगो के हवाई जहाज मे मधुमक्खियों का हमला, यात्रियों में भगदड़

कानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कानपुर चकेरी एयरपोर्ट पर दिल्ली जाने वाली इंडिगो फ्लाइट में मधुमक्खियां के झुंड ने हमला कर दिया। मधुमक्खियां एयरक्राफ्ट के अंदर घुस गई, जिसके कारण यात्रियों में अफरा तफरी मच गई। यात्री हवाई जहाज से नीचे उतरकर अपने आपको बचाने में लग गए। एयरपोर्ट के कर्मचारियों ने मधुमक्खियां को कीटनाशक छिड़क कर वहां से हटाया। सबसे खास बात यह रही, मधुमक्खी हवाई जहाज के आंतरिक हिस्से में नहीं घुसी थी। जिसके कारण जल्द ही मधुमक्खियों के हमले को काबू में किया गया। यह घटना शुक्रवार दोपहर की है। विमान जब उड़ान भरने वाला था,उसी समय मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। विदेशी पर्यटकों ने घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। जो वायरल हो रहा है। इस घटना के कारण फ्लाइट करीब 4 घंटे देर से दिल्ली के लिए रवाना हो सकी। मधुमक्खियों का हमला,यात्रियों के ऊपर नहीं हुआ। इसको लेकर यात्री मधुमक्खियां को धन्यवाद देरहे थे।

नमो भारत ट्रेन में आपत्तिजनक हरकत: वायरल वीडियो से मचा हड़कंप

गाजियाबाद(एजेंसी)। गाजियाबाद से मेरठ खंड पर चलने वाली रैपिड रेल नमो भारत ट्रेन में एक शर्मनाक घटना सामने आई है। चलती ट्रेन के अंदर एक युवक और युवती ने आपत्तिजनक हरकतें कीं, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि दोनों यात्री सीट पर बैठे हुए अश्लील व्यवहार कर रहे हैं। यह घटना 24 नवंबर की बताई जा रही है, जब ट्रेन मोदीनगर (उत्तर) स्टेशन की ओर जा रही थी। बैकग्राउंड में ट्रेन की घोषणाएं भी स्पष्ट सुनाई दे रही हैं, जो वीडियो की प्रामाणिकता की ओर इशारा करती हैं। हालांकि ईएमएस इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। वीडियो में एक अन्य यात्री भी दो सीट पीछे बैठा दिखाई दे रहा है। घटना के वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू करने की बात कही है। पुलिस अधिकारियों ने संबंधित थाना प्रभारी को निर्देश दिए हैं कि वे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम के अधिकारियों से संपर्क कर सच्चाई का पता लगाएं। ग्रामीण जोन के पुलिस उपायुक्त ने बताया कि अब इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत नहीं दी गई है। पुलिस का कहना है कि यदि वीडियो सही पाया जाता है तो उचित कार्रवाई की जाएगी। एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर खुलासा किया कि यह वीडियो पिछले महीने 24 नवंबर का है। मामले की जानकारी मिलते ही जांच शुरू कर दी गई थी और कुछ कार्रवाई भी की गई।

उत्तर भारत में घने कोहरे का कहर: बर्फबारी से नेशनल हाईवे बंद प्रदूषण का स्तर भी खतरनाक

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर और पूर्वी भारत के विशाल क्षेत्र में पिछले कई दिनों से जारी घने कोहरे और कड़ाके की ठंड ने सामान्य जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। शनिवार को स्थिति इतनी विकट हो गई कि कोहरे की घनी चादर के कारण सड़कों पर दृश्यता शून्य के करीब पहुंच गई, जिससे दिल्ली-एनसीआर समेत कई इलाकों में अघोषित लॉकडाउन जैसी स्थिति नजर आई। कोहरे के इस कहर ने परिवहन के सभी माध्यमों–सड़क, रेल और हवाई यातायात–पर ब्रेक लगा दिया है। दर्जनों उड़ानों को रद्द करना पड़ा, जबकि राजधानी और दुरंतो जैसी प्रीमियम ट्रेनों समेत सैकड़ों ट्रेनें घंटों की देरी से चल रही हैं, जिससे हजारों यात्री स्टेशनों और हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं। रविवार की सुबह दिल्ली-एनसीआर के निवासियों को बर्फीली हवाओं के कारण कोहरे से थोड़ी राहत की उम्मीद दिखी थी, लेकिन यह राहत क्षणिक साबित हुई। कुछ ही समय बाद कोहरे की एक मोटी परत ने पूरे क्षेत्र को फिर से अपनी चपेट में ले लिया। मौसम में आए इस बदलाव का मुख्य कारण जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ है, जिसकी वजह से वहां भारी हिमपात हो रहा है। भारी बर्फबारी के चलते श्रीनगर-लद्दाख नेशनल हाईवे को बंद करना पड़ा है। वहीं, मैदानी इलाकों में ठंड के साथ-साथ वायु प्रदूषण ने भी चिंता बढ़ा दी है; दिल्ली के वजीरपुर जैसे इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 450 के पार पहुंच गया है, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक श्रेणी में आता है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में भी राहत की संभावना कम है। 21 दिसंबर की सुबह तक उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब में घने से बहुत घने कोहरे की चेतावनी जारी की गई है। इसके अलावा, 25 से 27 दिसंबर के बीच कोहरे का एक और दौर आने की आशंका है, जो विशेष रूप से पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश को प्रभावित करेगा। मध्य प्रदेश और झारखंड में भी अगले 24 से 48 घंटों तक कोहरे का प्रभाव बना रहेगा। कोहरे के साथ-साथ शीत दिवस की स्थिति बनी हुई है, जिसका अर्थ है कि दिन के तापमान में भी भारी गिरावट दर्ज की जाएगी। तापमान के मोर्चे पर, उत्तर-पश्चिम भारत में अगले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन उसके बाद फिर से 4 डिग्री तक की गिरावट आने की संभावना है। दक्षिण और मध्य भारत के राज्यों जैसे तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र में भी शीतलहर चलने का अनुमान जताया गया है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में भारी बारिश और बर्फबारी की चेतावनी के बीच मौसम विभाग ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। पहाड़ों पर हो रही इस बर्फबारी और मैदानी इलाकों में चल रही बर्फीली हवाओं ने पूरे उत्तर भारत को एक कोल्ड चैंबर में तब्दील कर दिया है।

इंडिगो फ्लाइट से यात्रा करने वालों के लिए अलर्ट जारी, उड़ानों के रद्द होने से बनी स्थिति

नई दिल्ली। धुंध और कोहरे के चलते अचानक फ्लाइट रद्द करना पड़ रहीं हैं। ऐसे इंडिगों ने एडवाइजरी जारी करते हुए अपने यात्रियों को अलर्ट कर कहा है कि घर से निकलने से पहले अपनी फ्लाइट चेक कर लें और सुनिश्चित करें कहीं आपकी फ्लाइट रद्द तो नहीं हुई है। उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे ने रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। विजिबिलिटी (दृश्यता) कम होने के कारण हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इसे देखते हुए देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने रविवार के लिए अपने यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण चेतावनी और एडवाइजरी जारी की है। इंडिगो एयरलाइन ने सोशल मीडिया और आधिकारिक माध्यमों से यात्रियों को सूचित किया है कि खराब मौसम के कारण उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं।

एयरलाइन ने कहा है कि कम विजिबिलिटी के कारण विमानों की लैंडिंग और टेकऑफ संभव नहीं होगा जिससे उड़ानें देरी से चल सकती हैं या उन्हें कैंसिल भी किया जा सकता है। इंडिगो की टीमें लगातार मौसम पर नजर बनाए हुए हैं। किसी भी बदलाव की स्थिति में यात्रियों को उनके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एसएमएस के जरिए जानकारी दी जाएगी। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे एयरपोर्ट के लिए घर से निकलने से पहले लिंक पर जाकर अपनी फ्लाइट का ताजा स्टेटस जरूर देख लें। एयरलाइन ने उन यात्रियों के लिए विशेष इंतजाम किए हैं जिनकी उड़ानें प्रभावित हुई हैं। यात्री बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के अपनी फ्लाइट को फिर से शेड्यूल कर सकते हैं। यदि यात्री यात्रा नहीं करना चाहते तो वे वेबसाइट के माध्यम से रिफंड के लिए आवेदन कर सकते हैं। एयरलाइन ने यात्रियों से धैर्य और सहयोग बनाए रखने का अनुरोध किया है। धुंध और प्रदूषण के कारण सिर्फ इंडिगो ही नहीं बल्कि पूरा एविएशन सेक्टर प्रभावित है। शनिवार को कम दृश्यता के चलते दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 66 उड़ानें रद्द की गईं। श्रीनगर से 4 और अमृतसर–दिल्ली रूट की 3 उड़ानें खराब मौसम की भेंट चढ़ गईं।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री बोले- धर्म का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे, नया कानून बनाएंगे

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार शाम एक महत्वपूर्ण घोषणा की कि राज्य सरकार अन्य धर्मों का अपमान करने या गाली-गलौज करने वालों के खिलाफ कड़ी सजा के प्रावधान हेतु विधानसभा सत्र में एक नया अधिनियम प्रस्तुत करेगी। साथ ही, अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए मौजूदा कानूनों में उचित संशोधन भी किए जाएंगे। हैदराबाद के एलबी स्टेडियम में आयोजित क्रिसमस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने सभी धर्मों के प्रति आपसी सम्मान की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए धार्मिक घृणा फैलाने तथा हमलों की घटनाओं के खिलाफ सरकार पहले से ही सख्त कदम उठा रही है।

धर्मनिरपेक्षता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराते हुए रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट किया कि अल्पसंख्यक समुदाय राज्य की सभी कल्याणकारी योजनाओं के पूर्ण लाभार्थी हैं। उन्होंने ईसाई और मुस्लिम समुदायों से जुड़े कब्रिस्तानों के लंबित मुद्दों को शीघ्र हल करने का पूरा आश्वासन दिया। क्रिसमस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने ईसा मसीह के उन अमर उपदेशों की याद दिलाई, जिनमें प्रेम, शांति, क्षमा और मानवता की सेवा का संदेश निहित है। विशेष रूप से, उन्होंने नफरत करने वालों से भी प्रेम करने के दिव्य संदेश पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दिसंबर माह को तेलंगाना तथा कांग्रेस पार्टी के लिए विशेष और चमत्कारिक बताया। उन्होंने उल्लेख किया कि तेलंगाना राज्य का गठन तथा सोनिया गांधी का जन्मदिन दोनों इसी माह में पड़ते हैं। सरकार द्वारा लागू की जा रही प्रमुख योजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने इंदिराम्मा आवास योजना, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा सुविधा तथा गरीब परिवारों को निःशुल्क बिजली जैसी पहलों की सराहना की। अंत में, रेवंत रेड्डी ने विश्वास व्यक्त किया कि तेलंगाना राइजिंग 2047 विजन के तहत राज्य विकास, समृद्धि और जनकल्याण के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनेगा।

सीएम उमर ने कहा- भ्रम में मत रहिए मैं दिल्ली और कश्मीर में अलग-अलग बात नहीं करता

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला अपने बयानों से लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। जहां एक ओर विपक्षी गठबंधन केंद्र सरकार पर पूर्ण रूप से हमलावर रुख अपनाना चाहता है, वहीं उमर अब्दुल्ला समय-समय पर केंद्र की सराहना करके उस दबाव को कम कर देते हैं। हाल ही में उन्होंने एक बार फिर केंद्र सरकार द्वारा राज्य को दी जा रही फंडिंग की खुलकर तारीफ की है। साथ ही, उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि उनकी यह सराहना किसी को प्रसन्न करने के लिए नहीं है और वे स्थान के अनुसार अपनी बात नहीं बदलते।

एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत में उमर अब्दुल्ला ने अपनी नीति को बिल्कुल साफ शब्दों में रखा। उन्होंने कहा कि वे उन नेताओं में से नहीं हैं जो राजनीति में लोगों को गुमराह करें। जहां केंद्र सरकार अच्छा कार्य करती है, वहां वे उसकी प्रशंसा करते हैं और जहां कमी दिखती है, वहां खुली आलोचना भी करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, मैं किसी को खुश करने के लिए झूठ नहीं बोलता। मैं अपनी बात दिल्ली में भी वही कहता हूं जो कश्मीर में कहता हूं।

मुख्यमंत्री बनने से पहले और बाद में भी उमर अब्दुल्ला लगातार जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य दर्जा बहाल करने की मांग उठाते रहे हैं। इसी मुद्दे पर उन्होंने केंद्र सरकार की उदारता पर सवाल उठाया। उनका कहना है कि राज्य दर्जे की बहाली को छोड़कर अन्य सभी मामलों में केंद्र सरकार ने उन्हें कोई शिकायत का मौका नहीं दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, सच कहूं तो पूर्ण राज्य के मुद्दे को छोड़ दें तो केंद्र सरकार ने हमें शिकायत करने का कोई अवसर नहीं दिया। सिर्फ इसी एक मामले में वे आगे नहीं बढ़ रहे, वहां हमें केवल शिकायतें ही मिली हैं। यह पूरा विवाद उमर अब्दुल्ला के हालिया बयानों और साक्षात्कारों से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार की उदार फंडिंग और सहयोग की प्रशंसा की थी। उनकी अपनी पार्टी के सहयोगी और कश्मीर के कुछ अन्य नेता उन पर केंद्र सरकार के प्रति नरम रुख अपनाने का आरोप लगा रहे हैं। कुछ का कहना है कि दिल्ली में वे केंद्र की तारीफ करते हैं और कश्मीर आकर आलोचना शुरू कर देते हैं। इन आरोपों का जवाब देते हुए उमर ने कहा कि वे कभी भी स्थान के आधार पर अपनी बात नहीं बदलते। वे हमेशा से केंद्र की उदार फंडिंग की सराहना करते आए हैं और जहां गलती है, वहां आलोचना भी करते हैं। उमर अब्दुल्ला ने दोहराया कि वे विधानसभा हो या सार्वजनिक

मंच, हर जगह एक ही बात कहते हैं। वे किसी के दबाव में या प्रसन्नता के लिए अपनी राय नहीं बदलते। उनकी यह स्पष्टवादिता उनकी राजनीतिक शैली का हिस्सा रही है, जो उन्हें अन्य नेताओं से अलग करती है। राज्य के विकास और केंद्र से सहयोग के मामले में वे सकारात्मक रुख रखते हैं, लेकिन पूर्ण राज्य दर्जे की मांग पर कोई समझौता करने को तैयार नहीं हैं।

दिल्ली पहुंचे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, प्रधानमंत्री से मुलाकात की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में हिजाब खींचने वाले मामले को लेकर देशभर में चल रही बयानबाजी और राजनीतिक चर्चा के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को दिल्ली पहुंचे हैं। ऐसे हालात में उनके दिल्ली आगमन को राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है। दिल्ली में नीतीश कुमार की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात होने की भी संभावना है। दिल्ली पहुंचने पर सीएम नीतीश कुमार का एयरपोर्ट पर केंद्रीय मंत्री और जदयू नेता ललन सिंह ने स्वागत किया। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दिल्ली यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात हो सकती है। हालांकि फिलहाल इस संबंध में आधिकारिक तौर पर कोई पुष्टि नहीं की गई है। माना जा रहा है कि इस मुलाकात में बिहार से जुड़े विभिन्न मुद्दों के साथ–साथ वर्तमान राजनीतिक हालात पर भी चर्चा हो सकती है। उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में बिहार में हिजाब विवाद को लेकर देश भर में सियासी बयानबाजी तेज है। ऐसे समय में मुख्यमंत्री का दिल्ली पहुंचना और प्रधानमंत्री से संभावित मुलाकात कई तरह के राजनीतिक संकेत दे रही है।

नेशनल हेराल्ड मामले में जिस जज ने सोनिया को राहत दी उसी को हटाने पर अड़ा लालू परिवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत के विशेष जज को लेकर इन दिनों राजनीतिक और कानूनी हलचल तेज हो गई है। दिलचस्प बात यह है कि जिस जज ने हाल ही में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को नेशनल हेराल्ड से जुड़े मामले में बड़ी राहत दी थी, उसी जज को बदलने की मांग राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव के परिवार की ओर से की गई। हालांकि अदालत ने इस मांग को पूरी तरह खारिज कर दिया।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की याचिका नामंजूर कर दी। राबड़ी देवी ने अपने और अपने परिवार के खिलाफ चल रहे मामलों को दूसरी अदालत में ट्रांसफर करने की मांग की थी। उनका आरोप था कि विशेष जज उनके मामलों में पक्षपातपूर्ण रवैया अपना रहे हैं। अदालत ने साफ कहा कि केवल आरोपों के आधार पर किसी जज को बदलने की मांग स्वीकार नहीं की जा सकती और सुनवाई तय कानूनी प्रक्रिया के अनुसार ही आगे बढ़ेगी।

लालू परिवार के खिलाफ ये मामले लैंड फॉर जॉब्स और आईआरसीटीसी घोटाले से जुड़े हैं। इनमें राबड़ी देवी के अलावा लालू प्रसाद यादव, उनके बेटे तेजस्वी यादव और परिवार के अन्य सदस्य आरोपी हैं। सुनवाई के दौरान जांच एजेंसियों ने ट्रांसफर याचिका का कड़ा विरोध किया। एजेंसियों का कहना था कि यह याचिका दुर्भावना से दायर की गई है और इसका मकसद न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करना है। यह भी दलील दी गई कि जब तक आरोप तय हुए और मामला सबूतों के चरण में पहुंचा, तब तक किसी तरह के पक्षपात का मुद्दा नहीं उठाया गया। इसी बीच, यही विशेष जज एक अन्य अहम फैसले को लेकर भी चर्चा में हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ी शिकायत पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। अदालत का कहना था कि यह शिकायत किसी अनुसूचित अपराध से जुड़ी एफआईआर पर आधारित नहीं है, इसलिए कानूनन टिकाऊ नहीं मानी जा सकती। इस आदेश को गांधी परिवार के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा गया। हालांकि इस फैसले से असंतुष्ट जांच एजेंसी ने अब हाईकोर्ट का रुख किया है। एजेंसी का कहना है कि मनी लॉन्ड्रिंग कानून के तहत नया अभियोजन मामला दर्ज किया गया है और ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई है। इस पर जल्द सुनवाई होने की संभावना है।

नेशनल हेराल्ड मामला एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड से जुड़ा है, जो पहले नेशनल हेराल्ड का प्रकाशन करती थी। आरोप है कि 2010 में 'यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड' नाम की कंपनी ने एजेएल का कर्ज बहुत कम रकम में खरीद लिया और बाद में हजारों करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों पर नियंत्रण हासिल कर लिया। इस कंपनी में सोनिया गांधी और राहुल गांधी की बड़ी हिस्सेदारी बताई जाती है। जांच एजेंसी का आरोप है कि इस लेनदेन के जरिए पार्टी फंड का दुरुपयोग कर संपत्तियों पर कब्जा किया गया। हाल ही में इससे जुड़ी सैकड़ों करोड़ रुपये की संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है।

जी राम जी बिल की तुलना मनरेगा से करने का फैसला करने कांग्रेस ने बुलाई बैठक

एनडीए सदस्यों ने जताया विरोध, राष्ट्रपति की मंजूरी से पहले फंसा पेंच

नई दिल्ली (एजेंसी)। मनरेगा की जगह लेने वाले 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जी राम जी) बिल-2025 को लेकर सियासी टकराव और तेज हो गया है। ग्रामीण विकास और पंचायती राज पर संसद की स्थायी समिति के अध्यक्ष और कांग्रेस सांसद सप्तगिरी शंकर उलाका ने 29 दिसंबर को समिति की बैठक बुलाई है। इस बैठक में बीवी जी राम जी बिल पर चर्चा और इसकी तुलना मनरेगा से करने का फैसला किया है। इस कदम को प्रस्तावित कानून पर राजनीतिक लड़ाई को और बढ़ाने वाला माना जा रहा है, जिस पर सत्तारूढ़ एनडीए के सदस्यों ने कड़ा विरोध जताया है।

समिति के एजेंडे में ग्रामीण विकास मंत्रालय की तरफ से 'बीवी- जी राम जी बिल' पर प्रस्तुति और इसकी मनरेगा से तुलना शामिल है। कांग्रेस सांसद उलाका इस समिति के अध्यक्ष हैं। बीजेपी सांसदों को इस बात पर आपत्ति है कि यह बिल

संसद से पारित होने के बावजूद अभी राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार कर रहा है और गजट में अधिसूचना के बाद ही कानून बनेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक समिति के सदस्य और बीजेपी सांसद विवेक ठाकुर ने इस फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह 'विचारहीनता' को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जब तक बिल को राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिल जाती, तब तक इसे कानून नहीं माना जा सकता। बीजेपी के अन्य सांसदों का कहना है कि संसद से हाल ही में पारित किसी बिल पर समिति चर्चा नहीं कर सकती, बल्कि वह केवल उसके क्रियान्वयन की समीक्षा और सिफारिशें दे सकती है। एनडीए सदस्यों का आरोप है कि बिल की तुलना यूपीए काल की मनरेगा योजना से करना मुद्दे का जानबूझकर राजनीतिकरण है। उनका कहना है कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इस नए कानून की आलोचना करने के लिए एकजुट हैं। यह नया कानून उस पुराने कानून की जगह लेगा, जिसके तहत महात्मा गांधी के नाम पर ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना चलाई जा रही थी, और अब योजना के नाम से गांधी जी का नाम हटा दिया गया है।

यह पहली बार नहीं है जब इस समिति का एजेंडा विवादों में आया हो। इससे पहले जुलाई में भूमि अधिग्रहण कानून के क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए समिति की बैठक में सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर और अभिनेता प्रकाश राज को बुलाने के फैसले पर बीजेपी सदस्यों ने तीखा विरोध जताया था। मेधा पाटकर की मौजूदगी को लेकर बीजेपी सांसदों ने उन्हें 'विकास विरोधी' बताते हुए बैठक से वॉकआउट किया था, जिसके चलते बैठक बीच में ही समाप्त हो गई थी।

चीन भारत में ला सकता है बाढ़ या सूखा? ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपर बना रहा ऐसा टाइम बम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कहते हैं कि चोर चोरी से जाएं.....लेकिन सीनाजोरी से नहीं, यह कहावत चीन पर सटीक बैठती है। क्योंकि चीन अपनी चालबाजी से बाज नहीं आ रहा है। चीन तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो नदी पर एक बड़ी जलविद्युत परियोजना को बनने में जुटा है। इसके बारे में विशेषज्ञों और अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि भारत में नदी के निचले हिस्से में जल सुरक्षा, इकोसिस्टम और आजीविका को गंभीर रूप से खतरे में डाल सकता है। क्योंकि यह नदी ब्रह्मपुत्र के रूप में भारत में प्रवेश करती है, इसलिए नदी के ऊपरी हिस्से में किसी भी बड़े पैमाने पर हस्तक्षेप को उन लाखों लोगों के लिए सीधा खतरा है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रस्तावित 168 अरब डॉलर की हाइड्रोपावर योजना बहुत बड़ी होगी। यह योजना करीब 2000 मीटर की खड़े ढलान का इस्तेमाल करके कई बांध, जलाशय, सुरंगें और अंडरग्राउंड पावर स्टेशन के द्वारा बिजली बनाएगी।

विदेश मामलों के राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि वे ब्रह्मपुत्र नदी से जुड़ी घटनाओं पर लगातार नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा, भारत ने तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो (ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपरी भाग) के निचले इलाकों पर चीन के मेगा डैम प्रोजेक्ट शुरु करने की खबरों का संज्ञान लिया है।

विदेश मंत्रालय ने राज्यसभा में बताया कि इस परियोजना को पहली बार 1986 में सार्वजनिक किया गया था और तब से चीन में इसकी तैयारियां कर रहा हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सरकार इस इलाके में भारतीय हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। बयान में कहा गया है, सरकार ब्रह्मपुत्र नदी से संबंधित सभी घटनाक्रमों पर कड़ी नजर रखती है, इसमें चीन के हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के विकास की योजनाएं भी शामिल हैं, और अपने हितों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाती है।

रिपोर्ट में विशेषज्ञों का कहना है कि ऊपरी हिस्से में (चीन में) कोई छेड़छाड़ या प्रोजेक्ट होने से नदी का प्राकृतिक बहाव बिगड़ सकता है। यहां तक कि छोटे-छोटे बदलाव भी असम और अरुणाचल प्रदेश के उपजाऊ बाढ़ वाले मैदानों, मछली पालन और भूजल रिचार्ज को प्रभावित कर सकते हैं। ये इलाके पहले से ही जलवायु परिवर्तन के तनाव से कमजोर हैं। वहीं चीन ने इन सभी चिंताओं को खारिज किया है। चीन के विदेश मंत्रालय का कहना है कि निचले इलाकों वाले देशों पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। इस प्रोजेक्ट का तकनीकी स्तर इतना जटिल है कि इससे डर बढ़ गया है।

भारत ने भी तेज किया अपना प्रोजेक्ट

इन ऊपरी प्रोजेक्ट्स को देखते हुए भारत की सबसे बड़ी सरकारी हाइड्रोपावर कंपनी ने ब्रह्मपुत्र पर अपना 11,200 मेगावाट का प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ाया है, ताकि रणनीतिक और पानी की सुरक्षा न खो जाए। विशेषज्ञ कहते हैं कि एक ही नदी पर दोनों देशों के बड़े प्रोजेक्ट जोखिम बढ़ा सकते हैं। बिना सहयोग और पारदर्शिता के, भारत-चीन के बीच बांध बनाने की होड़ से ब्रह्मपुत्र और इसके लाखों निर्भर लोगों का भविष्य खतरे में पड़ सकता है।